चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
इडियन फरंट (आनलाइन) न्यूज	08.08.2020	---	--

Dr. Samunder Singh, The First Indian To Be Elected As President Of The International Weed Science Society

Dr. Samunder Singh , who retired as Prof. & Head of Agronomy department from CCS HAU Hisar earlier this year, is the first Indian to be elected as President of the International Weed Science Society , IWSS.

Prof. Samar Singh, Vice-Chancellor of CCS HAU, Hisar has congratulated Dr. Samunder Singh for his taking over as President of International Weed Science Society on August 6, 2020 and wished him a successful tenure of four years and hoped that Indian Weed Scientists would benefit from his international role.

Prof. Samar Singh said , " Dr Samunder Singh has been elected as the President of International Weed Science Society (IWSS). It's a great honour not only to the University but also to Haryana state and India as he is the first Indian Weed Scientist to reach this coveted position. The IWSS was established in 1975 in the US and has more than 750 members from different parts of the world"

Dr. Samunder Singh joined IWSS in 1996 and was entrusted the duty of Newsletter Editor in 2010. He not only revived the moribund Newsletter but also improved its contents and coverage where India was projected at international forum in each issue increasing the page numbers by five times. He is the longest service Newsletter Editor in the history of the Society. For his significant contribution as Newsletter Editor, he was honoured by the Society in 2012 (Hangzhou, China) and for Secretary and Newsletter Editor in 2016 (Prague, Czech Republic) Congress. He was also elected IWSS Secretary in 2012 and it's Vice-President in 2016, again the first Indian for these responsibilities.

Dr. Singh has presented scientific research papers in 79 conferences in Australia, Canada, China, Czech Republic, Denmark, India (11 International + 29 National), Indonesia, Israel (2), Japan, Malaysia (2), Spain, South Korea, UK (3) and, USA (21).

He is credited with publishing 132 refereed research papers, 7 refereed review papers, 19 conference proceedings papers, 113 conference abstracts, 11 Book chapters, 3 manuals, 28 bulletins, 52 Extension articles,and 16Radio/TV talks.

He did his PhD under the British Commonwealth Fellowship from Bioscience and Biotechnology department of Strathclyde University, Glasgow, Scotland on herbicide resistance mechanism in Phalaris minor (Kanki) and its management which is a dreaded weed of wheat in Haryana and other adjoining states. Dr. Singh was also awarded Post-Doc Fellowship from University of Florida (USA) on the biology and management of Citrus weeds.

For his significant contribution in Weed Science in India and abroad, he was made fellow (Honorary member) of Weed Science Society of America. This is the highest award for an international Scientist by the American Society and Dr. Singh was the first recipient of this significant award from India in 2013. Indian Society of Weed Science earlier honoured him with its Fellow award in 2007 and Gold Medal Award in 2012. He was bestowed with Life Time Achievement Award by the Crop and Weed Science Society of West Bengal in 2019 and Haryana Agronomists Society in 2020. Dr. Singh served as reviewer of 19 international journals and was appreciated twice by the President of Weed Science Society of America as best reviewer.

Dr. Singh also served as Secretary of Indian Society of Weed Science, Haryana Agronomists Society, Chief Editor of Indian Journal of Weed Science, Haryana Journal of Agronomy, Editor of Indian Journal of Agronomy, President of Haryana Agronomists Society and reviewer of 19 international journals (Received appreciation letter twice from President of Weed Science Society of America) and presently entrusted the duty of Editor of Crop Protection and Field Crops Research published from the Netherlands.

He was the first to detect herbicide resistance in several weeds of wheat (Kanki, Jangli Jai, Jangli Palak, Loomar Ghas and Bathu) and first to develop Rapid Herbicide Resistance Detection Test for Kanki and Jangli Jai using seed and seedlings and issued advisory to 118 and 180 farmers of Hisar district for the selection of effective herbicide against Kanki during 2018-19 and 2019-20, respectively. He has developed more than 36 recommendations on effective weed management in different crops; organized/co-organized 21 National and International conferences and generated 60 million Indian rupees for research from national and international bodies. Served Session Chair/Panel discussion in several national and international conferences and delivered invited talks.

Dr. Singh had remained a good athlete in his student life and won several medals in the University, State and country and also ran Glasgow half marathon in 1996. Participated twice in BBC TV Quiz on Asia and won second and first position (Team) in 1997 and 1998 and generated funds for two charities in India and Scotland. He was also Hony. Secretary of Hisar District Yoga Association and organized District and State Yoga Championships to promote Yoga.

He will be entrusted for the successful organization of 8th International Weed Science Congress in Bangkok (Thailand) in December 2021. Through IWSS and local organizers, he succeeded in developing a travel assistance fund of USD 25,000 for scientists from the developing countries to participate in the above Congress. (JMT-BNF) .

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	08.08.2020	01	01-06

मौसम अपडेट • एचएयू के मौसम विभाग ने जारी किया पूर्वानुमान, आज बादलवाही रहने और तापमान बढ़ने की संभावना

9 से 11 अगस्त के बीच मॉनसून सक्रिय होने से बारिश के आसार

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा कि मानसूनी हवाओं का टर्फ अब गंगानगर, हिसार, बदायूं, गौंडा, आजमगढ़, गया, जमशेदपुर, डिगा होते हुए बंगाल की खाड़ी तक गुजर रहा है। इसके निचले और दक्षिण की तरफ शिफ्ट होने की संभावना तथा बंगाल की खाड़ी में बनने वाले एक निम्न दबाव के क्षेत्र से मानसूनी हवाओं की सक्रियता मध्य एवं दक्षिण-पश्चिमी भारत में ज्यादा रहने की संभावना है। इसी कारण हरियाणा प्रदेश की तरफ आने वाली कमजोर मानसूनी हवाओं से 8 अगस्त तक राज्य में मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने, बीच-बीच में बादलवाई आने तथा तापमान में हल्की बढ़ोतरी की संभावना है। इस दौरान वातावरण में नमी अधिक होने तथा तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने से कहीं-कहीं गरज-चमक वाले बादल बनने से कुछेक स्थानों पर हल्की बारिश भी हो सकती है। एचएयू के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार 8 अगस्त से मानसून हवाओं के फिर से मैदानी क्षेत्रों की ओर सक्रियता होने की संभावना है, जिससे 9 अगस्त से 11 अगस्त के बीच प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है।

11 जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई

अम्बाला	48%
भिवानी	26%
गुरूग्राम	23%
महेंद्रगढ़	42%
मेवात	33%
पलवल	42%
पंचकूला	68%
पानीपत	23%
रेवाड़ी	41%
रोहतक	55%
यमुनानगर	25%

1 जून से 4 अगस्त तक बारिश के आंकड़ों पर।

कभी धूप, कभी छांव, हवाएं चलीं। हिसार के साउथ बाइपास की तस्वीर।

4 अगस्त तक सामान्य से 4 प्रतिशत कम बारिश हुई

वैज्ञानिकों के अनुसार दक्षिण पश्चिमी मानसूनी हवाएं 29 जुलाई से 4 अगस्त प्रदेश में थोड़ी सक्रिय रहने से कुछ एक क्षेत्रों में बारिश दर्ज हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग में दर्ज बारिश के आंकड़ों पर नजर डालें तो राज्य में अब तक (1 जून से 4 अगस्त) सामान्य से 4 प्रतिशत कम बारिश हुई है। इस दौरान राज्य में सामान्य बारिश 230.8 मिलीमीटर की जगह 221.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई है।

किसानों को सलाह दी आवश्यकतानुसार करें सिंचाई

अगले चार दिन मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने की संभावना को देखते हुए धान की फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। बाजरा, ग्वार आदि खरीफ फसलों में निराई-गुड़ाई कर खरपतवार निकालें, नमी को संचित करें। इसे अलावा सब्जियों व फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें। नरमा-कपास, बाजरा आदि फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें। कीटों व रोगों के प्रकोप को लेकर निगरानी करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	09.08.2020	02	05-06

अंतरराष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी के अध्यक्ष बने एचएयू से सेवानिवृत्त डॉ.समुंदर

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग से सेवानिवृत्त डॉ. समुंदर सिंह को अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी (आईडब्लयूएसएस) का अध्यक्ष बनाया गया है। डॉ. समुंदर सिंह इस सोसायटी के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय हैं।

इस सोसायटी को 1975 में अमेरिका में स्थापित किया गया था और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से 750 से अधिक सदस्य हैं। यह न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि इस प्रतिष्ठित पद पाने वाले डॉ. समुंदर सिंह पहले खरपतवार वैज्ञानिक हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

▪ गेहूं में खरपतवार की प्रतिरोध क्षमता की पहचान करने वाले पहले वैज्ञानिक

वे गेहूं के कई खरपतवारों जैसे कनकी, जंगली जई, जंगली पालक, लोमार घास और बाथू में खरपतवार नाशक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता का पता लगाने वाले पहले वैज्ञानिक थे। उन्होंने सबसे पहले बीज और रोपाई का उपयोग करके कनकी और जंगली जई का रैपिड हर्बिसाइड प्रतिरोध जांच परीक्षण विकसित किया।

उन्होंने कनकी के लिए वर्ष 2018-19 में 118 किसानों और वर्ष 2019-20 में हिसार जिले के 100 किसानों को प्रभावी खरपतवारनाशक के उपयोग की सलाह दी। उन्होंने विभिन्न फसलों में प्रभावी खरपतवार प्रबंधन पर 36 से अधिक सिफारिशें विकसित की हैं। उन्होंने 21 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन/सह-आयोजन किया और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अनुसंधान के लिए 65 मिलियन भारतीय रुपये की अनुदान राशि लेने में अहम् भूमिका अदा की है।

▪ कई बार किए जा चुके सम्मानित

अमेरिकन सोसायटी द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक के लिए यह सर्वोच्च पुरस्कार है, जिसे प्राप्त करने वाले डॉ. समुंदर सिंह पहले भारतीय हैं। इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस ने पहले उन्हें 2007 में अपने फेलो पुरस्कार और 2012 में गोल्ड मेडल अवार्ड से सम्मानित किया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	09.08.2020	02	05-08

कुलपति के नेतृत्व में एचएयू विश्वविद्यालय प्रशासन की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय

एचएयू में पीजी व पीएचडी में एंट्रेंस एग्जाम यूजी में मेरिट बेस के आधार पर होंगे एडमिशन

महबूब अली| हिसार

एचएयू में एडमिशन किस आधार पर होंगे, इसको लेकर छात्र एवम छात्राओं में असमंजस की स्थिति चल रही थी। विश्वविद्यालय प्रशासन की हाल ही में हुई बैठक में यह स्पष्ट कर दिया गया एमएससी , पीएचडी के एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम देना होगा जबकि यूजी में एडमिशन के लिए मेरिट का सहारा लिया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया है कि इसी बीच यदि सरकार एग्जाम के संबंध में अन्य कोई आदेश देती है तो उन पर अमल किया जाएगा ।

दरअसल, कोरोना वायरस के चलते सभी विश्वविद्यालय और स्कूल कॉलेज बंद है । छात्र एवं छात्राओं की भी एंट्री बैन है। हालांकि विश्वविद्यालयमें ऑफिसियल कार्य कराए जा रहे हैं। छात्र एवं छात्राओं को भी ऑनलाइन पढ़ाई कराई जा रही है । कोरोना वायरस से बचाव के मद्देनजर एचएयू ने मिड मिड टर्म एग्जाम के आधार पर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रैजुएट स्टूडेंट का रिजल्ट घोषित करने का निर्णय लिया था ।

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि हाल ही में विश्व विद्यालय प्रशासन की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि एमएससी और पीएचडी में एडमिशन एंट्रेंस एग्जाम के आधार पर होंगे इसके अलावा यूजी में मेरिट आधार बनाया जाएगा । कुलपति का कहना है कि यदि सरकार के इस दौरान कोई अन्य आदेश आते हैं तो उस पर भी पूरी तरह से अमल किया जाएगा इस संबंध में सभी विभागों के विभागाध्यक्ष को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं । प्रयास है कि छात्र एवं छात्राओं को किसी भी तरह की परेशानी ना हो।

जल्द तारीख हो सकती है निर्धारितः कुलपति

विवि के कुलपति का कहना है कि एंट्रेंस एग्जाम की तारीख जल्द ही निर्धारित कर दी जाएगी। इस संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन ही निर्णय लेगा अभी तारीख निर्धारित नहीं की गई है। एडमिशन को लेकर एचएयू के कुलपति ने यूजीसी और आईसीएआर से भी सुझाव मांगे थे । इसके अलावा विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों से भी जानकारी हासिल की थी।

डिस्टेंस के साथ कराए जाएंगे एंट्रेंस एग्जाम

कुलपति का कहना है कि कोरोना वायरस से बचाव के मद्देनजर एमएससी व पीएचडी के एंट्रेंस एग्जाम होने हैं । वह कई पालियो में कराए जाएंगे । साथ ही सोशल डिस्टेंस का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। प्रयास रहेगा कि जिस स्कूल कॉलेज में छात्र एडमिशन लेना चाहता है उसी स्थान पर परीक्षा कराई जाए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	09.08.2020	02	03

प्रोफेसर डॉ. सोनिका को मिला यंग वुमन साइंटिस्ट अवार्ड

भास्कर न्यूज़ | हिसार

एचएयू के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय कोल में सहायक प्रोफेसर के पद

पर तैनात डॉक्टर सोनिका भानखड़ को यंग वूमेन साइंटिस्ट अवार्ड दिया गया है। यह अवार्ड उन्हें एग्रो एनवायरमेंट डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा प्रदान किया गया।

डॉ सोनिक चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय कॉल में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। इससे पूर्व डॉ सोनिका ने रोहतक से एमएससी में गोल्ड मेडल प्राप्त किया था । इसके बाद सीसीएस हिसार से शोध करके नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की । एचएयू के वैज्ञनिको व अन्य लोगों ने सोनिका को बधाई दी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10.08.2020	02	03-06

एचएयू के एबिक सेंटर के स्टार्टअप्स के लिए एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत

एचएयू ने कृषि मंत्रालय को भेजा था प्रस्ताव, जल्द 11 स्टार्टअप्स को आवंटित की जाएगी राशि

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने 1 करोड़ 2 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की है।

यह जानकारी देते हुए एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय में नाबार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार की सहायता से गत वर्ष स्थापित किया है। यह केंद्र उत्तर भारत का पहला केंद्र है। इसका मुख्य उद्देश्य कृषि व संबंधित क्षेत्र में नए-नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। इनक्यूबेशन सेंटर अब तक 40 से अधिक कृषि स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर रहा है। एबिक सेंटर के 11 स्टार्टअप्स के लिए एक करोड़ 2 लाख की राशि स्वीकृत की है जो जल्द इन्हें नियम व शर्तों अनुसार स्टार्टअप्स को आवंटित की जाएगी।

ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 14 अगस्त

एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी व प्रिंसिपल इंवेस्टीगेटर डॉ. आरके झोरड़ ने बताया कि हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के प्रोग्रेसिव किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि के क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरू करने वाले युवाओं के लिए आरकेवीवाई रफ्तार स्कीम के तहत पहल-2020 व सफल-2020 नामक कार्यक्रमों के माध्यम से आवेदन मांगे हैं। इसके लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 14 अगस्त है। इस संबंध में अधिक जानकारी विवि की वेबसाइट www.hau.ac.in व www.rkvy.abichauhisar.com पर उपलब्ध है। कृषि व कृषि संबंधित एग्री बिजनेस स्टार्टअप्स के लिए पहल-2020 प्रोग्राम उन आवेदकों के लिए है जिनका स्टार्टअप्स अभी आइडिया स्टेज पर है। इस कार्यक्रम के तहत 5 लाख तक की राशि चयनित आवेदक को नियमानुसार अनुदान के रूप में दी जाती है। इसी प्रकार सफल-2020

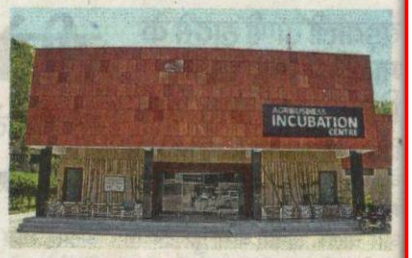

कार्यक्रम के तहत जिन आवेदकों ने अपना प्रोडक्ट बना रखा है और उसे बड़े स्तर पर ब्रांड के रूप में पहचान दिलाना चाहते हैं तो उनके लिए 25 लाख रूपये तक की सहायता राशि निर्धारित नियमानुसार प्रदान की जाती है। सहायक प्रिंसिपल इंवेस्टिगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि एबिक सेंटर के तहत 11 स्टार्टअप्स को पूरे भारतवर्ष से 40 से अधिक मेंटर्स द्वारा 2 महीने का प्रशिक्षण दिया गया था, जिसके परिणामस्वरूप वे अपने व्यवसाय को धरातल पर लाकर एक ब्रांड के रूप स्थापित कर पाए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	08.08.2020	12	02-08

डॉ. समुंदर सिंह बने अंतरराष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी के अध्यक्ष

अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय बने एचएयू से सेवानिवृत्त डॉ. समुंदर सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

अलग खबर

हकृवि के सस्य विज्ञान विभाग से सेवानिवृत्त डॉ. समुंदर सिंह को अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी का अध्यक्ष बनाया गया है। डॉ. समुंदर सिंह इस सोसायटी के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय हैं। इस सोसायटी को 1975 में अमेरिका में स्थापित किया गया था और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से 750 से अधिक सदस्य हैं। यह न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि इस प्रतिष्ठित पद पाने वाले डॉ. समुंदर सिंह पहले खरपतवार वैज्ञानिक हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

वे गेहूं के कई खरपतवारों जैसे कनकी, जंगली जई, जंगली पालक, लोमार घास और बाथू में खरपतवार नाशक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता का पता लगाने वाले पहले वैज्ञानिक थे। उन्होंने सबसे पहले बीज और रोपाई का उपयोग करके कनकी और जंगली जई का रैपिड हर्बिसाइड प्रतिरोध जांच परीक्षण विकसित किया। उन्होंने कनकी के लिए वर्ष 2018-19 में 118 किसानों और वर्ष 2019-20 में हिसार जिले के 100 किसानों को प्रभावी खरपतवारनाशक के उपयोग की सलाह दी। उन्होंने विभिन्न फसलों में प्रभावी खरपतवार प्रबंधन पर 36 से अधिक सिफारिशें विकसित की हैं। उन्होंने 21 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन, सह-आयोजन किया और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अनुसंधान के लिए 65 मिलियन भारतीय रुपये की अनुदान राशि लेने में अहम भूमिका अदा की है।

ये रही उपलब्धियां

डॉ. समुंदर सिंह ने 1994 में अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी में शामिल हुए और उन्हें 2010 में न्यूजलेटर एडिटर का कार्यभार सौंपा गया। वह सोसायटी के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा समाचार संपादक हैं। समाचार पत्र संपादक के रूप में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें 2012 में सोसायटी हांग्जो, चीन और 2016 में सचिव और न्यूजलेटर संपादक प्राग, चेक गणराज्य कांग्रेस द्वारा सम्मानित किया गया था। उन्हें 2012 में सोसायटी में सचिव भी चुना गया था और 2016 में इसका उपाध्यक्ष चुना गया था। उस समय भी ये पहले भारतीय थे।

2015 में अमेरिका में बने मानद सदस्य

भारत और विदेशों में खरपतवार विज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें अमेरिका की वीड साइंस सोसायटी का साथी मानद सदस्य बनाया गया। अमेरिकन सोसायटी द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक के लिए यह सर्वोच्च पुरस्कार है। जिसे प्राप्त करने वाले डॉ. समुंदर सिंह पहले भारतीय हैं। इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस ने पहले उन्हें 2007 में अपने फेलो पुरस्कार और 2012 में गोल्ड मेडल अवार्ड से सम्मानित किया था। उन्हें 2019 में पश्चिम बंगाल की फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी और 2020 में हरियाणा एग्रोनोमिस्ट सोसायटी द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पोस्ट डॉक फैलोशिप से किया गया था सम्मानित

डा. समुंदर सिंह ब्रिटिश कॉमनवेल्थ फेलोशिप के तहत पीएचडी और स्ट्रैथक्लाइड विश्वविद्यालय, ग्लासगो, स्कॉटलैंड के बायोटेक्नोलॉजी विभाग से फालारिस माइनर में हर्बिसाइड प्रतिरोधक तंत्र और उसके प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया। जो हरियाणा और अन्य आस-पास के राज्यों में गेहूं की भयानक खरपतवार है। उन्हें नींबू वर्गीय पौधों में खरतपतवार के जीव विज्ञान और प्रबंधन पर फ्लोरिडा विश्वविद्यालय से पोस्ट-डॉक फैलोशिप से सम्मानित किया गया था।

पूरे देश के लिए गौरव की बात

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उनकी इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्हे गर्व है कि डॉ. समुंदर सिंह ने विश्वविद्यालय में रहते हुए और उसके बाद भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि डॉ. समुंदर सिंह को दिसंबर 2021 में बैंकॉक थाईलैंड में होने वाली 8वीं अंतरराष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान कांग्रेस का कार्य सौंपा गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	08.08.2020	12	04-07

हकृवि किसानों के लिए ग्रांट का प्रस्ताव भेजेगा

■ विवि में एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर में नए इनक्यूबिटीज ओरिएंटेशन प्रोग्राम का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय में किसानों से संबंधित चलने वाले विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों का ब्यौरा देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में देश का नार्बाड द्वारा द्वितीय एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित किया गया है। इस संदर्भ में समय-समय पर किसानों के लिए कृषि को सफल व्यवसाय में बदलने के दो कार्यक्रम पहल व सफल - 2020 प्रोग्राम शुरू किए हैं। जिसमें दो महीने का प्रशिक्षण तथा चयनित प्रतिभागियों और

हिसार। कार्यक्रम में भाग लेते इनक्यूबिटीज। फोटो :हरिभूमि

प्रशिक्षण के पश्चात 5 लाख से 25 लाख तक की ग्रांट का प्रस्ताव किसान एवं कल्याण मंत्रालय को भेजा जायेगा। उपरोक्त कार्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 14 अगस्त है।

इसी कड़ी में 6 व 7 अगस्त को चयनित इनक्यूबिटीज के लिए आयोजित दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का समापन हुआ। आज कार्यक्रम के दूसरे दिन एबिक की एडमिन मैनेजर निशा मलिक फोगाट ने कार्यक्रम की शुरूआत नए इनक्यूबेटिज का परिचय देकर की। इसके बाद बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु ने एबीक़ सेंटर में चल रही स्कीम आर.के.वी.वाई. रफतार के बारे में जानकारी दी। टेक्निकल मैनेजर अर्पित तनेजा ने डिजिटल मार्केटिंग के पहलुओं को उजागर किया। इनके पश्चात कस्टमर केयर मैनेजर ट्विंकल मंगल ने प्रोडक्ट्स की ब्रांडिंग और क्वालिटी के बारे में बात की। प्रोडक्ट क्वालिटी एक बहुत महत्वपूर्ण प्रोसेस है प्रोडक्शन का, अगर प्रोडक्ट की क्वालिटी अच्छी होगी तभी कस्टमर ज्यादा से ज्यादा खरीदेंगे। इसके पश्चात असिस्टेंट मैनेजर डॉक्टर शैलेंद्र सिंह ने बिजनेस प्लान के महत्वपूर्ण विषयों को उजागर किया की प्लानिंग बिजनेस का एक महत्वपूर्ण अंग है बिना इसके कोई भी कार्य अच्छे से पूर्ण नहीं हो सकता। एबीक सेंटर की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने अपने स्टार्टअप को आगे बढ़ाने के लिए जोर दिया। फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने एबीक टीम तथा सभी श्रोताओं का आभार जताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	09.08.2020	12	06-07

सफेद मक्खी व हरा तेला के प्रति सचेत रहें : वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

■ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सफेद मक्खी व हरा तेला के प्रति किया आगाह

इस साल नरमा कपास की अच्छी पैदावार होने की उम्मीद है क्योंकि अभी तक फसल अच्छी खड़ी है। इसलिए किसान कपास की अच्छी पैदावार लेने के लिए हर संभव प्रयास करने में जुटे हैं। कई बार किसान कीटनाशक विक्रेता से सलाह लेकर कीट की सही पहचान किए बगैर ही कपास पर कीटनाशक का जरूरत से ज्यादा छिड़काव कर रहे हैं, जो गलत है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को कीटनाशकों के कपास पर अंधाधुंध प्रयोग न करने की सलाह देते हुए कही। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में बारिश कम हुई है, उन क्षेत्रों में नरमा कपास में सफेद मक्खी की समस्या अधिक है जबकि अधिक वर्षा वाले इलाकों में इसकी समस्या कम है। इसके अलावा नरमा कपास पर हरे तेला का भी प्रकोप बढ़ रहा है। कुलपति ने किसानों से कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेकर ही उक्त कीटों के प्रबन्धन के लिए कीटनाशकों का छिड़काव करने का आह्वान किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	08.08.2020	04	03-05

एचएयू : बीएससी एग्रीकल्चर में दाखिले के लिए आवेदन का एक और मौका

बैठक में लिया गया फैसला मेरिट आधार पर होंगे दाखिले

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बीएससी एग्रीकल्चर में दाखिले के लिए विद्यार्थियों को आवेदन का एक और मौका मिलेगा। स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों के दाखिले मेरिट के आधार पर, जबकि स्नातकोत्तर स्तर पर प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा। शुक्रवार को विश्वविद्यालय में दाखिले के संबंध में हुई एक बैठक में यह फैसला लिया गया है।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि स्नातक स्तर पर दाखिले के लिए अब तक प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही दाखिले होते थे। आवेदनों की अधिक संख्या और कोविड संकट के बीच इस बार परीक्षा करवाना मुमकिन नहीं है। फैसला लिया गया है कि बीएससी के लिए सभी दाखिले मेरिट के आधार पर हों। ऐसा पहली बार होगा, जब बीएससी में प्रवेश परीक्षा की बजाय मेरिट के आधार पर दाखिले होंगे।

बीएससी के लिए अब तक साढ़े आठ हजार आवेदन : विवि प्रशासन के अनुसार, इस बार चार वर्षीय बीएससी एग्रीकल्चर कोर्स में करीब साढ़े आठ हजार विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। वहीं, बीएससी छह वर्षीय कोर्स के लिए साढ़े तीन हजार से अधिक आवेदन आए हैं। अगले हफ्ते से आवेदन प्रक्रिया फिर से शुरू होगी और वंचित विद्यार्थी भी दाखिले के लिए आवेदन कर सकेंगे। वहीं, पोस्ट ग्रेजुएशन के सभी कोर्स में हर वर्ष करीब एक हजार आवेदन आते हैं।

> बैठक में आवेदन का एक और मौका देने का फैसला हुआ है। सोमवार को बैठक की मिनट्स जारी होंगे, जिसके बाद पूरी गाइडलाइन जारी कर दी जाएगी। - डॉ. एसके पाहुजा, परीक्षा नियंत्रक गुजवि

दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का समापन

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर में 6 व 7 अगस्त को चयनित इंक्यूबिटीज के लिए आयोजित दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का समापन हुआ। कार्यक्रम के दूसरे दिन एबिक की एडमिन मैनेजर निशा मलिक ने कार्यक्रम की शुरुआत नए इंक्यूबेटिज का परिचय देकर की। बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु ने सेंटर में चल रही स्कीम के बारे में जानकारी दी। टेक्निकल मैनेजर अर्पित तनेजा ने डिजिटल मार्केटिंग के पहलुओं के बारे में बताया। कस्टमर केयर मैनेजर ट्विंकल मंगल ने बताया कि प्रोडक्ट क्वालिटी प्रोडक्शन का एक बहुत महत्वपूर्ण प्रोसेस है। अगर प्रोडक्ट की क्वालिटी अच्छी होगी, तभी कस्टमर ज्यादा से ज्यादा खरीदेंगे। असिस्टेंट मैनेजर डॉ. शैलेंद्र सिंह ने बताया कि प्लानिंग बिजनेस का एक महत्वपूर्ण अंग है। बिना इसके कोई भी कार्य अच्छे से संपूर्ण नहीं हो सकता। एबिक सेंटर की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने शुभकामनाओं के साथ अपने स्टार्टअप को आगे बढ़ाने के लिए जोर दिया।

अंतरराष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी के अध्यक्ष बने डॉ. समुंदर सिंह

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग से सेवानिवृत्त डॉ. समुंदर सिंह को अंतरराष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी (आईडब्ल्यूएसएस) का अध्यक्ष बनाया गया है।

डॉ. समुंदर सिंह इस सोसायटी के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय हैं। इसके साथ ही उन्हें दिसंबर 2021 में बैंकॉक (थाइलैंड) में होने वाली 8वीं अंतरराष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान कांग्रेस का कार्य सौंपा गया है। इस सोसायटी को 1975 में अमेरिका में स्थापित किया गया था और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से 750 से अधिक सदस्य हैं। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी है। डॉ. समुंदर सिंह गेहूं के कई खरपतवारों जैसे कनकी, जंगली जई, जंगली पालक, लोमार घास और बाथू आदि खरपतवार नाशक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता का पता लगाने वाले पहले वैज्ञानिक थे। उन्होंने सबसे पहले कॉज और रोपाई का उपयोग करके कनकी और जंगली जई का रैपिड हर्बिसाइड प्रतिरोध जांच परीक्षण विकसित किया। उन्होंने कनकी के लिए वर्ष 2018-19 में 118 किसानों और वर्ष 2019-20 में हिसार जिले के 100 किसानों को प्रभावी खरपतवारनाशक के उपयोग की सलाह दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	09.08.2020	02	04-05

नरमा कपास में सफेद मक्खी, हरा तेला के प्रति सचेत रहें किसान : प्रो. समर सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा है कि इस साल नरमा कपास की अच्छी पैदावार होने की उम्मीद है, क्योंकि अभी तक फसल अच्छी खड़ी है। हालांकि कम बारिश वाले क्षेत्रों में नरमा कपास में सफेद मक्खी का प्रकोप देखने में आया है। इसके अलावा नरमा कपास में हरे तेला की समस्या भी आ रही है। उन्होंने किसानों से कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेकर ही कीटों के प्रबंधन के लिए कीटनाशकों का छिड़काव करने को कहा है।

विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार के अनुसार अगर नरमा कपास में 6 से 8 प्रौढ़ प्रति पत्ता व हरा तेला दो प्रति पत्ता हों तो यह नुकसानदायक है। सफेद मक्खी का प्रकोप इसके निर्धारित आर्थिक स्तर से अधिक हो तो 300 एमएल रोगोर एवं एक लीटर नीम्बीसीडीन/अचूक को 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। अगर नरमा कपास के पत्तों पर सफेद मक्खी के शिशु ज्यादा हों तो 240 एमएल ओबेरोन या 400 एमएल डाएटा (पाइरीपरोक्सीफेन) का 200 लीटर पानी के साथ प्रति एकड़ छिड़काव करें। हरा तेला के लिए 40 एमएल ईमीडाक्लोपरिड (कोन्फीडोर) या 40 ग्राम थायामीथोक्साम (एकटारा) प्रति 150-175 लीटर पानी के साथ प्रति एकड़ में छिड़काव करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	10.08.2020	04	07-08

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

मूली की अगेती फसल में आवश्यकता पर करें सिंचाई

मूली अगेती किस्म पूसा चेतकी की बिजाई पहले कर रखी है तो आवश्यकता होने पर सिंचाई करें। यदि नहीं की तो इसकी बिजाई इस माह भी कर सकते हैं। खरपतवार निकालें व जड़ों पर मिट्टी चढ़ाएं। तैयार जड़ें उखाड़कर और धोकर बाजार भेजें। चेपा का प्रकोप होने पर 250 - 400 मिलीलीटर डाइमेथोएट 30 ईसी को 250 - 400 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें। पूसा चेतकी की फसल 40 दिनों में तैयार हो जाती है। इसकी बिजाई के लिए 4 - 5 किलोग्राम बीज की एक एकड़ खेत के लिए आवश्यकता होगी।

डॉ. एसके सहरावत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में अनुसंधान निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

नई फसल लगाने के लिए खेत तैयार करते समय लगभग 20 टन गोबर की खाद, 24 किलोग्राम नाइट्रोजन और 12 किलोग्राम फास्फोरस प्रति एकड़ डालें। बिजाई कतारों में 30 - 45 सेंटीमीटर की दूरी पर करें और पौधे से पौधे की दूरी 5 - 8 सेंटीमीटर रखें। उचित होगा कि बिजाई हल्की - हल्की डोलियों पर करें। आवश्यकता होने पर सिंचाई करें और खरपतवार निकालें।

पालक की पहले लगाई गई फसल से खरपतवार निकालें

उधर पालक की पहले लगाई गई फसल की आवश्यकता होने पर सिंचाई करें और खरपतवार निकालें। जब पालक काटने लायक हो जाए तो उसके पत्तों को काटकर बंडलों में बांधें और बाजार भेजें। नई फसल के लिए खेत की तैयारी करें व बिजाई करें। इसकी उन्नत किस्में जौबनेर-ग्रीन, आलग्रीन या एचएस 23 का इस्तेमाल करें। इसके लिए 8 किलोग्राम बीज एक एकड़ में बिजाई करने के लिए काफी होगा और खेत तैयार करते समय लगभग 20 टन गोबर की सड़ी खाद, 32 किलोग्राम नाइट्रोजन व 16 किलोग्राम फास्फोरस प्रति एकड़ खेत में मिलाएं और उचित नाप की क्यारियों में खेत को बांट लें। बिजाई कतारों में 15-20 सेंटीमीटर की दूरी पर करें।

प्रस्तुति : अमित भारद्वाज, हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	10.08.2020	04	01-02

एबिक सेंटर से प्रशिक्षित कृषि उत्पाद के नए उद्यमियों के लिए एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत

हिसार (ब्यूरो)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) से प्रशिक्षण लेकर अपना एग्री बिजनेस शुरू करने वाले नए उद्यमियों को लाखों रुपये की मदद की जाएगी। इस राशि की मदद से स्टार्टअप्स को अपना बिजनेस बढ़ाने में आसानी होगी और यह राशि वापस भी नहीं देनी होगी।

विवि के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि एबिक सेंटर के 11 स्टार्टअप्स के लिए एक करोड़ 2 लाख की राशि स्वीकृत की गई है, जो जल्द ही इन्हें नियम व शर्तों के अनुसार आवंटित की जाएगी।

उत्तर भारत का पहला सेंटर है एबिक

यह सेंटर विवि में नाबार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार की सहायता से गत वर्ष स्थापित किया गया है। यह केंद्र उत्तर भारत का पहला केंद्र है, जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि व संबंधित क्षेत्र में नए - नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। वर्ष 2019 में आरकेवीवाई - रफ्तार स्कीम के तहत जिन स्टार्टअप्स ने दो महीने का प्रशिक्षण लिया था, उन की अंतिम प्रस्तुति कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की गठित कमेटी के समक्ष हुई थी, उन सभी को अनुदान राशि प्रदान करने के लिए चुन लिया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	08.08.2020	02	03-08

अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय बने एच.ए.यू. से सेवानिवृत्त डॉ. समुंदर सिंह

हिसार, 7 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग से सेवानिवृत्त डॉ. समुंदर सिंह को अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी (आई.डब्ल्यू.एस.एस.) का अध्यक्ष बनाया गया है। डॉ. समुंदर सिंह इस सोसायटी के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय हैं। इस सोसायटी को 1975 में अमरीका में स्थापित किया गया था और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से 750 से अधिक सदस्य हैं।

यह न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि इस प्रतिष्ठित पद पाने वाले डॉ. समुंदर सिंह पहले खरपतवार वैज्ञानिक हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

गेहूं में खरपतवार की प्रतिरोध क्षमता की पहचान करने वाले पहले वैज्ञानिक

वे गेहूं के कई खरपतवारों जैसे कनकी, जंगली जई, जंगली पालक, लोमार घास और बाथू में खरपतवार नाशक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता का पता लगाने वाले पहले वैज्ञानिक है। उन्होंने सबसे पहले बीज और रोपाई का उपयोग करके कनकी और जंगली जई का रैपिड हर्बिसाइड प्रतिरोध जांच परीक्षण विकसित किया। उन्होंने कनकी के लिए वर्ष 2018-19 में 118 किसानों और वर्ष 2019-20 में हिसार जिले के 100 किसानों को प्रभावी खरपतवारनाशक के उपयोग की सलाह दी। उन्होंने विभिन्न फसलों में प्रभावी खरपतवार प्रबंधन पर 36 से अधिक सिफारिशें विकसित की हैं। उन्होंने 21 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन/सह-आयोजन किया और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से अनुसंधान के लिए 65 मिलियन भारतीय रुपए की अनुदान राशि लेने में अहम् भूमिका अदा की है।

पोस्ट डॉक फैलोशिप से किया गया था सम्मानित

उन्होंने ब्रिटिश कॉमनवैल्थ फैलोशिप के तहत पी.एच.सी. और स्ट्रैथक्लाइड विश्वविद्यालय, ग्लासगो, स्कॉटलैंड के बायोटैक्नोलॉजी विभाग से फ़ालारिस माइनर (कनकी) में हर्बिसाइड प्रतिरोधक तंत्र और उसके प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया, जो हरियाणा और अन्य आस-पास के राज्यों में गेहूं की भयानक खरपतवार है। उन्हें नीबू वर्गीय पौधों में खरतपवार के जीव विज्ञान और प्रबंधन पर फ्लोरिडा विश्वविद्यालय (यू.एस.ए.) से पोस्ट-डॉक फैलोशिप से सम्मानित किया गया था।

2015 में अमरीका में बने मानद सदस्य

भारत और विदेशों में खरपतवार विज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें अमरीका की वीड साइंस सोसायटी का साथी (मानद सदस्य) बनाया गया। अमरीकन सोसायटी द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक के लिए यह सर्वोच्च पुरस्कार है, जिसे प्राप्त करने वाले डॉ. समुंदर सिंह पहले भारतीय हैं। इंडियन सोसायटी ऑफ वीड साइंस ने पहले उन्हें 2007 में अपने फैलो पुरस्कार और 2012 में गोल्ड मैडल अवार्ड से सम्मानित किया था। उन्हें 2019 में पश्चिम बंगाल की फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी और 2020 में हरियाणा एग्रोनोमिस्ट सोसायटी द्वारा लाइफ टाइम अचीवमैंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। अमरीका के खरपतवार विज्ञान सोसायटी के अध्यक्ष द्वारा तीन बार सर्वश्रेष्ट समीक्षक के रूप में उनकी सराहना की गई। डॉ. समुंदर सिंह अपने छात्र समय के दौरान एक बेहतरीन एथलीट भी रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय, राज्य और देश के लिए कई पदक जीते और 1998 में ग्लासगो हाफ मैराथन में भी दौड़ लगाई थी।

ये रही उपलब्धियां

डॉ. समुंदर सिंह ने 1994 में अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी में शामिल हुए और उन्हें 2010 में न्यूजलैटर एडिटर का कार्यभार सौंपा गया। उन्हें 2012 में सोसायटी में सचिव भी चुना गया था और 2016 में इसका उपाध्यक्ष चुना गया था। उस समय भी ये पहले भारतीय थे। डॉ. समंदर सिंह ने 79 सम्मेलनों में वैज्ञानिक शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं।

पूरे देश के लिए गौरव की बात : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने उनकी इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्हें गर्व है कि डॉ. समुंदर सिंह ने विश्वविद्यालय में रहते हुए और उसके बाद भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि डॉ. समंदर सिंह को दिसम्बर 2021 में बैंकॉक (थाईलैंड) में होने वाली 8वीं अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान कांग्रेस का कार्य सौंपा गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	09.08.2020	03	01-02

'नरमा कपास में सफेद मक्खी व हरा तेला के प्रति सचेत रहना होगा किसानों को'

कपास में हरा तेला व सफेद मक्खी का फाइल फोटो।

हिसार, 8 अगस्त (ब्यूरो): इस साल नरमा कपास की अच्छी पैदावार होने की उम्मीद है, लेकिन जिन क्षेत्रों में बारिश कम हुई है, उनमें नरमा कपास में सफेद मक्खी की समस्या अधिक है, जबकि अधिक वर्षा वाले इलाकों में इसकी समस्या कम है। इसके अलावा नरमा कपास पर हरे तेला का भी प्रकोप बढ़ रहा है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों से हकृवि के कृषि वैज्ञानिकों की सलाह पर ही कीटनाशकों का छिड़काव करने का आह्वान किया है चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार के अनुसार इस समय नरमा कपास पर सफेद मक्खी और हरा तेला का खतरा बढ़ा हुआ है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि अगर नरमा कपास में 6 से 8 प्रौढ़ प्रति पत्ता व हरा तेला 2 प्रति पत्ता हों तो यह नुक्सानदायक है। इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सफेद मक्खी का प्रकोप इसके निर्धारित आर्थिक स्तर से अधिक हो तो 300 मिलीलीटर रोगोर एवं 1 लीटर नीम्बीसीडीन/अचूक को 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। कृषि वैज्ञानिकों अनुसार अगर नरमा कपास के पत्तों पर सफेद मक्खी के शिशु ज्यादा हों तो 240 मिलीलीटर ओबेरोन या 400 मिलीलीटर डाएटा (पाइरीपरोक्सीफेन) का 200 लीटर पानी के साथ प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। उन्होंने बताया कि हरा तेला के लिए 40 मिलीलीटर ईमीडाक्लोपरिड (कोन्फीडोर) या 40 ग्राम थायामीथोक्साम (एकटारा) प्रति 150-175 लीटर पानी के साथ प्रति एकड़ में छिड़काव करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10.08.2020	01	01

डा. सोनिका भानखड़ को मिला यंग वुमन साइंटिस्ट अवार्ड

हिसार, 9 अगस्त (ब्यूरो): डा. सोनिका भानखड़ को यंग वुमन साइंटिस्ट प्राप्त हुआ है। डा. सोनिका हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफैसर के पद पर कार्यरत है। उनको ये अवार्ड जून 2020 में न्यू ट्रैंड इन एग्रीकल्चर, इनवायरमैंटल, बायोलॉजीकल साइंस फॉर इनक्लुसिव डिवैल्पमैंट विषय पर आयोजित हुए इंटरनैशनल सम्मेलन के अवसर पर प्रदान किया गया था। इससे पहले डा. सोनिका ने एम.डी.यू. रोहतक एम.एस.सी. करते हुए गोल्ड मैडल भी प्राप्त किया था। इसके एच.ए.यू. में शोध करते हुए नैट की परीक्षा उत्तीर्ण की व डी.एस.टी. तथा जे.आर.एफ. भी प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10.08.2020	04	01-03

एबिक सैंटर के स्टार्टअप्स के लिए एक करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत : कुलपति

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि वि.वि. के माध्यम से कृषि मंत्रालय को भेजा था प्रस्ताव

हिसार 9 अगस्त (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनैस इनक्यूबेशन सैंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 1 करोड़ 2 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि यह सैंटर विश्वविद्यालय में नाबार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार की सहायता से गत वर्ष स्थापित किया गया है। यह केंद्र उत्तर भारत को पहला केंद्र है जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि व संबंधित क्षेत्र में नए-नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। यह इनक्यूबेशन सैंटर अब तक 40 से अधिक कृषि स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर रहा है। उन्होंने बताया कि एबिक सैंटर के 11 स्टार्टअप्स के लिए एक करोड़ 2 लाख की राशि स्वीकृत की गई है जो जल्द ही इन्हें नियम व शर्तों अनुसार आवंटित की जाएगा।

प्रो. समर सिंह।

इस वर्ष भी मांगे गए हैं आवेदन

एबिक सैंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी व प्रिंसीपल इंवैस्टीगेटर डॉ. आर.के. झोरड़ ने बताया कि हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के प्रोग्रेसिव किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि के क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरू करने वाले युवाओं के लिए आर.के.वी.वाई. रफ्तार स्कीम के तहत पहल-2020 व सफल-2020 नामक कार्यक्रमों के माध्यम से आवेदन मांगे हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 14 अगस्त है। इस संबंध में अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर उपलब्ध है।

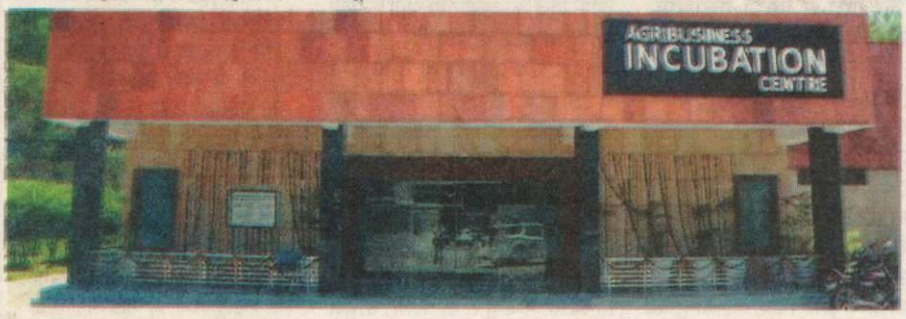

विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सैंटर।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	08.08.2020	--	--

12वीं की मेरिट पर यूजी कोर्स में दाखिला लेगा एचएयू, पीजी में होगी प्रवेश परीक्षा

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय इस बार स्नातक पाठ्यक्रमों में 12वीं की मेरिट के आधार पर तो एमएससी व पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा कराई जाएगी। विवि प्रशासन ने शुक्रवार को अकादमिक काउंसिल की बैठक में यह फैसला लिया। प्रवेश परीक्षाएं कराने के लिए गृह मंत्रालय द्वारा जारी नियमों का पालन कराया जाएगा।

परीक्षा के दौरान शारीरिक दूरी न टूटे, इसके लिए फेज वाइज परीक्षाएं कराने पर सहमति बनी है। 28 अगस्त के बाद से इस प्रक्रिया को शुरू कर दिया जाएगा। हालांकि विवि प्रशासन इस दौरान सरकार के आदेशों का भी इंतजार करेगा। गौरतलब है कि एचएयू में दाखिले के लिए प्रदेशभर से विद्यार्थी आवेदन करते हैं। बिना परीक्षा के दाखिला लेने का काम विवि में पहली बार किया जा रहा है।

इस बार सबसे अधिक स्नातक में आए हैं आवेदन: इस बार एचएयू में पिछले कुछ वर्षों से अधिक आवेदन आए हैं। जिसमें स्नातक कोर्स में 19 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं। वहीं एमएससी व पीएचडी में तीन हजार छात्रों ने आवेदन किया है। ऐसे में स्नातक में इतनी बड़ी संख्या में आवेदन आने पर प्रवेश परीक्षा कराना मुश्किल था। मगर एमएससी में तीन हजार आवेदन ही होने पर परीक्षा चार फेजों में ली जा सकती है। इसके साथ ही स्नातक पाठ्यक्रम में छात्रों को आवेदन के लिए करीब 10 से 15 दिन का विवि समय देगा, ताकि जो लोग मेरिट के आधार पर आवेदन करना चाहते हैं वह आवेदन कर सकते हैं। पूर्व में जिन्होंने आवेदन किए हैं, वही मान्य होंगे।

मिशन एडमिशन

- विवि प्रशासन ने अकादमिक काउंसिल बैठक में लिया फैसला
- शारीरिक दूरी के आधार पर कराई जाएगी पीजी कोर्सों की परीक्षाएं

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि का गेट नंबर चार। ●जागरण आर्काइव

अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों पर भी अटका है निर्णय

विवि ने ऑनलाइन दाखिले के लिए आवेदन तो ले लिए, मगर परीक्षा कैसे कराएं इस पर [illegible] हुआ है। इधर अंतिम [illegible] विद्यार्थियों की परीक्ष[illegible] भी अभी निर्णय नहीं लिया गया है। क्योंकि जब तक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की डिग्री पूरी नहीं होगी तो वह आगे दाखिला कैसे लेंगे।

> अकादमिक काउंसिल की बैठक में हमने 12वीं की मेरिट पर स्नातक पाठ्यक्रम में दाखिला लेने तो एमएससी व पीएचडी में प्रवेश परीक्षा कराने का निर्णय लिया है। पीजी कोर्स में छात्रों की अधिक संख्या नहीं होगी। इस कारण फेज वाइज प्रवेश परीक्षा कराई जा सकती है।
>
> **प्रो. समर सिंह,** कुलपति, एचएयू, हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	08.08.2020	04	02-05

आइडब्ल्यूएसएस के अध्यक्ष बने डा. समंदर सिंह

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग से हाल ही में सेवानिवृत्त डा. समुंदर सिंह को अंतरराष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसाइटी (आइडब्ल्यूएसएस) का अध्यक्ष बनाया गया है। इस सोसाइटी के अध्यक्ष बनने वाले वह पहले भारतीय हैं। सोसाइटी को 1975 में अमेरिका में स्थापित किया गया था। इसमें दुनिया के विभिन्न हिस्सों में 750 से अधिक सदस्य हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

गेहूं में खरपतवार की प्रतिरोध क्षमता की पहचान करने वाले पहले वैज्ञानिक : वह गेहूं के कई खरपतवारों जैसे कनकी, जंगली जई, जंगली पालक, लोमार घास और बाथू में खरपतवार नाशक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता का पता लगाने वाले पहले वैज्ञानिक थे। उन्होंने सबसे पहले बीज और रोपाई का उपयोग करके कनकी और जंगली जई का रैपिड हर्बिसाइड प्रतिरोध जांच परीक्षण विकसित किया।

उन्होंने कनकी के लिए वर्ष 2018-19 में 118 किसानों और वर्ष 2019-20 में हिसार जिले के 100 किसानों को प्रभावी खरपतवारनाशक के उपयोग की सलाह दी। डा. समंदर ने विभिन्न फसलों में प्रभावी खरपतवार प्रबंधन पर 36 से अधिक सिफारिशें विकसित की हैं। उन्होंने 21 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन, सह-आयोजन किया और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अनुसंधान के लिए 65 मिलियन भारतीय रुपये की अनुदान राशि लेने में अहम भूमिका अदा की है।

पोस्ट डॉक फैलोशिप से हुए थे सम्मानित

डा. समंदर सिंह। • जागरण आर्काइव

ब्रिटिश कॉमनवेल्थ फेलोशिप के तहत पीएचसी और स्ट्रैथक्लाइड विश्वविद्यालय, ग्लासगो, स्कॉटलैंड के बायोटेक्नोलॉजी विभाग से फालारिस माइनर (कनकी) में हर्बिसाइड प्रतिरोधक तंत्र और उसके प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया। उन्हें नींबू वर्गीय पौधों में खरतपतवार के जीव विज्ञान और प्रबंधन पर फ्लोरिडा विश्वविद्यालय (यूएसए) से पोस्ट डॉक फैलोशिप से सम्मानित किया गया था।

2015 में अमेरिका में बने मानद सदस्य

- भारत और विदेशों में खरपतवार विज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें अमेरिका की वीड साइंस सोसाइटी का साथी (मानद सदस्य) बनाया गया।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस ने पहले उन्हें 2007 में अपने फेलो पुरस्कार
- 2012 में गोल्ड मेडल अवार्ड से सम्मानित किया था।
- 2019 में पश्चिम बंगाल की फसल और खरपतवार विज्ञान सोसाइटी
- 2020 में हरियाणा एग्रोनोमिस्ट सोसाइटी द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	08.08.2020	03	04

प्रदेश में कल से तीन दिन तक होगी झमाझम बारिश

जासं, हिसार : हिसार, फतेहाबाद व सिरसा में बारिश न होने से मौसम काफी गर्म हैं। विज्ञानी रविवार से मौसम परिवर्तन की उम्मीद जता रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मदन खिचड़ ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना से 8 अगस्त से मानसून हवाओं की फिर से मैदानी क्षेत्रों की ओर सक्रियता बढ़ने की संभावना है जिससे 9 से 11 अगस्त के बीच प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में अच्छी बारिश हो सकती है। वहीं हिसार में शुक्रवार शाम को बूंदाबांदी होने से उमस बढ़ गई।

मौसम में बदलाव का कारण : कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा कि मानसूनी हवाओं के टर्फ जो अभी गंगानगर, हिसार, बदायूं, गौंडा, आजमगढ़, गया, जमशेदपुर, डिगा होते हुए बंगाल की खाड़ी तक गुजर रहा है। इसके निचले और दक्षिण की तरफ शिफ्ट होने की संभावना बन रही है।

टिड्डी से भी रहें सचेत : एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने किसानों को सचेत करते हुए कहा कि अगले चार दिन में हवा में बार-बार बदलाव की संभावना है। इसे देखते हुए राजस्थान के आसपास के जिलों के किसान टिड्डी दल के प्रति सजग रहें तथा खेतों में लगातार निगरानी रखें। यदि खेत में कहीं भी टिड्डी दिखाई दे तो तुरंत नजदीक के कृषि अधिकारी व कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वविद्यालय के कीटविज्ञान विभाग के विज्ञानिकों को तुरंत सूचित करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10.08.2020	03	02-06

अनुदान | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के माध्यम से कृषि मंत्रालय को भेजा गया था प्रस्ताव

एबिक सेंटर के स्टार्टअप्स के लिए एचएयू को मिले 1.2 करोड़

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 1 करोड़ 2 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। एबिक सेंटर के 11 स्टार्टअप्स के लिए यह धनराशि जारी की गई है। जो जल्द ही इन्हें नियम व शर्तों अनुसार स्टार्टअप्स को आवंटित होगी। वर्ष 2019 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार स्कीम के तहत जिन स्टार्टअप्स ने 2 माह का प्रशिक्षण लिया था, उन 11 स्टार्टअप्स की अंतिम प्रस्तुति कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की गठित कमेटी के समक्ष हुई थी, उन सभी को अनुदान राशि प्रदान करने के लिए चुन लिया गया है।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह। • फाइल फोटो।

विचार को कैसे बना सकते हैं स्टार्टअप

कृषि व कृषि संबंधित एग्री बिजनेस स्टार्टअप्स के लिए पहल-2020 प्रोग्राम उन आवेदकों के लिए है जिनका स्टार्टअप्स अभी आइडिया स्टेज पर है। इस कार्यक्रम के तहत 5 लाख तक की राशि चयनित आवेदक को नियमानुसार अनुदान के रूप में दी जाती है। इसी प्रकार सफल-2020 कार्यक्रम के तहत जिन आवेदकों ने अपना प्रोडक्ट बना रखा है और उसे बड़े स्तर पर ब्रांड के रूप में पहचान दिलाना चाहते हैं तो उनके लिए 25 लाख रूपये तक की सहायता राशि निर्धारित नियमानुसार प्रदान की जाती है।

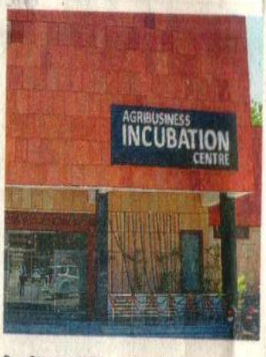

विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर • फाइल फोटो।

अभी भी कर सकते हैं आवेदन

एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी व प्रिंसिपल इंवेस्टीगेटर डॉ. आके झोरड़ ने बताया कि हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के प्रोग्रेसिव किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि के क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरू करने वाले युवाओं के लिए पहल-2020 व सफल-2020 नामक कार्यक्रमों के माध्यम से आवेदन मांगे हैं। इसके लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 14 अगस्त है। इस संबंध में अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एचएयू डॉट एसी डॉट इन व डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एबीआइसीएचएयूएचआइएसएआर डॉट कॉम पर उपलब्ध हैं।

इनको मिलेगी अनुदान राशि

कंपनी	अनुदान राशि (लाख रुपये में)
वैलनेस एग्री इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी	12
नाईटो एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड	25
धर्मवीर फूड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड	25
ओराप्लेनेट फूड प्राइवेट लिमिटेड	5
ओमे एग्रीकल्चर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	5
मिलसर एग्रो फूड प्राइवेट लिमिटेड	5
गौपेथी स्वदेशी उद्योग	5
मैफिक फूड्स प्राइवेट लिमिटेड	5
नारायणा ग्लोबल एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	5
रविक इंटरप्राइसिस प्राइवेट लिमिटेड	5
हेक्सहॉम प्राइवेट लिमिटेड	5

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	07.08.2020	--	--

8 अगस्त तक मौसम परिवर्तनशील परंतु 9 से 11 अगस्त तक हो सकती है बारिश

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा कि मानसूनी हवायों का टर्फ जो अब गंगानगर, हिसार, बदायूं, गौंडा, आजमगढ़, गया, जमशेदपुर, डिगा होते हुए बंगाल की खाड़ी तक गुजर रहा है। इसके निचले और दक्षिण की तरफ शिफ्ट होने की संभावना तथा बंगाल की खाड़ी में बनने वाले एक निम्न दबाब के क्षेत्र से मानसूनी हवायों की सक्रियता मध्य एवम दक्षिण पश्चिमी भारत में ज्यादा रहने की संभावना है। इसी कारण हरियाणा प्रदेश की तरफ आने वाली कमजोर मानसूनी हवाओं से 8 अगस्त तक राज्य में मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने, बीच बीच मे बादलवाई आने तथा तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने की संभावना है। इस दौरान वातावरण में नमी अधिक होने तथा तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने से कहीं-कहीं गरज-चमक वाले बादल बनने से कुछ एक स्थानों पर हवायों के साथ हल्की बारिश भी संभावित है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी में एक और कम दबाब का क्षेत्र बनने की संभावना से 8 अगस्त से मानसून हवायों की फिर से मैदानी क्षेत्रों की ओर सक्रियता बढने की संभावना है जिससे 9 अगस्त से 11 अगस्त के बीच प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। अब तक हुई सामान्य से कम बारिश वैज्ञानिकों के अनुसार दक्षिण पश्चिमी मानसूनी हवाये 29 जुलाई से 4 अगस्त प्रदेश में थोड़ी सक्रिय रहने से कुछ एक क्षेत्रों में बारिश दर्ज हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग में दर्ज बारिश के आंकड़ों पर नजर डालें तो राज्य में अब तक (1 जून से 4 अगस्त) सामान्य से 4 प्रतिशत् कम बारिश हुई है। इस दौरान राज्य में सामान्य बारिश 230.8 मिलीमीटर की जगह 221.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई है। परन्तु मानसून की इस सप्ताह हुई बारिश का वितरण एक समान न होने के कारण कुछ जिलों में अच्छी बारिश हुई परन्तु पश्चिमी हरियाणा के सिरसा, फतेहाबाद, हिसार , भिवानी जिलों व इस के आसपास के ज्यादातर क्षेत्रों में बारिश नहीं हुई। मानसून की अब तक हुई (1 जून से 4 अगस्त) कुल बारिश के आंकड़ों के आधार पर राज्य के 11 जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है जिनमें अम्बाला में 48 प्रतिशत, भिवानी 26 प्रतिशत, गुरूग्राम 23 प्रतिशत, महेद्रगढ़ 42 प्रतिशत, मेवात 33 प्रतिशत, पलवल 42 प्रतिशत, पंचकूला 68 प्रतिशत, पानीपत 23 प्रतिशत, रेवाड़ी 41 प्रतिशत, रोहतक 55 प्रतिशत, यमुनानगर 25 प्रतिशत् कम बारिश दर्ज हुई है।

परिवर्तनशील मौसम के चलते धान की फसलों में करें आवश्यकतानुसार सिंचाई

विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान किसानों के लिए बहुत ही लाभदायक साबित हो रहा है। किसान मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अपनी फसलों की निराई-गुड़ाई व सिंचाई जैसे कार्य कर लेते हैं जिससे उन्हें मौसम पूर्वानुमान की सूचना न मिलने से होने वाले आर्थिक नुकसान से काफी हद तक निजात मिली है। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि अगले चार दिन मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने की संभावना को देखते हुए धान की फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	07.08.2020	--	--

अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय बने डॉ. समुंदर सिंह

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग से सेवानिवृत्त डॉ. समुंदर सिंह को अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी (आईडब्लयूएसएस) का अध्यक्ष बनाया गया है। डॉ. समुंदर सिंह इस सोसायटी के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय हैं। इस सोसायटी को 1975 में अमेरिका में स्थापित किया गया था और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से 750 से अधिक सदस्य हैं। यह न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि इस प्रतिष्ठित पद पाने वाले डॉ. समुंदर सिंह पहले खरपतवार वैज्ञानिक हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

गेहूं में खरपतवार की प्रतिरोध क्षमता की पहचान करने वाले पहले वैज्ञानिक

समुंद्र सिंह गेहूं के कई खरपतवारो जैसे कनकी, जंगली जई, जंगली पालक, लोमार घास और बाथू में खरपतवार

नाशक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता का पता लगाने वाले पहले वैज्ञानिक थे। उन्होंने सबसे पहले बीज और रोपाई का उपयोग करके कनकी और जंगली जई का रैपिड हर्बिसाइड प्रतिरोध जांच परीक्षण विकसित किया। उन्होंने कनकी के लिए वर्ष 2018-19 में 118 किसानों और वर्ष 2019-20 में हिसार जिले के 100 किसानों को प्रभावी खरपतवारनाशक के उपयोग की सलाह दी। उन्होंने विभिन्न फसलों में प्रभावी खरपतवार प्रबंधन पर 36 से अधिक सिफारिशें विकसित की हैं। उन्होंने 21 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन/सह-आयोजन किया और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अनुसंधान के लिए 65 मिलियन भारतीय रुपये की अनुदान राशि लेने में अहम् भूमिका अदा की है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	09.08.2020	--	--

नरमा कपास में सफेद मक्खी व हरा तेला के प्रति सचेत रहें किसान : कुलपति समर सिंह

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। इस साल नरमा कपास की अच्छी पैदावार होने की उम्मीद है क्योंकि अभी तक फसल अच्छी खड़ी है। इसलिए किसान कपास की अच्छी पैदावार लेने के लिए हर संभव प्रयास करने में जुटे हैं। कई बार किसान कीटनाशक विक्रेता से सलाह लेकर कीट की सही पहचान किए बगैर ही कपास पर कीटनाशक का जरूरत से ज्यादा छिड़काव कर रहे हैं, जो गलत है। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने किसानों को कीटनाशकों के कपास पर अंधाधुंध प्रयोग न करने की सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में बारिश कम हुई है, उन क्षेत्रों में नरमा कपास में सफेद मक्खी की समस्या अधिक है जबकि अधिक वर्षा वाले इलाकों में इसकी समस्या कम है। इसके अलावा नरमा कपास पर हरे तेला का भी प्रकोप बढ़ रहा है। कुलपति ने किसानों से कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेकर ही उक्त कीटों के प्रबन्धन के लिए कीटनाशकों का छिड़काव करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि किसान बिना सिफारिश ही कीटनाशकों का फसल पर छिड़काव कर देते हैं जिससे उनको आर्थिक नुकसान तो होता ही है, साथ ही पर्यावरण प्रदूषण भी बढ़ता है। उन्होंने कहा कि किसान अपने खेत की निगरानी करते रहें ताकि जैसे ही कीटों का प्रकोप बढ़े तो कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेकर कीटनाशकों का छिड़काव किया जा सके। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि कोरोना के कारण विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक किसानों से फोन पर संपर्क में हैं और समय-समय पर उनकी फसलों को लेकर सलाह देते रहते हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के चलते कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के साथ खेतों का दौरा संभव नहीं हो पा रहा है, जिसकी वजह से वे किसानों से फोन पर ही संपर्क साध रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	07.08.2020	--	--

नभ-छोर | स्थानीय-देश-विविध | हिसार, शुक्रवार, 07 अगस्त 2020 | 4

डॉ. समुंदर सिंह आईडब्लयूएसएस के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय

हिसार/07 अगस्त/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग से सेवानिवृत्त डॉ. समुंदर सिंह को अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी(आईडब्लयूएसएस) का अध्यक्ष बनाया गया है। डॉ. समुंदर सिंह इस सोसायटी के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय हैं। इस सोसायटी को 1975 में अमेरिका में स्थापित किया गया था और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से 750 से अधिक सदस्य हैं। यह न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि इस प्रतिष्ठित पद पाने वाले डॉ. समुंदर सिंह पहले खरपतवार वैज्ञानिक हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी है। गेहूं में खरपतवार की प्रतिरोध क्षमता की पहचान करने वाले पहले वैज्ञानिक थे गेहूं के कई खरपतवारों जैसे कनकी, जंगली जई, जंगली पालक, लोमार घास और चाचू में खरपतवार नाशक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता का पता लगाने वाले पहले वैज्ञानिक थे। उन्होंने सबसे पहले बीज और रोपाई का उपयोग करके कनकी और जंगली जई का रैपिड हर्बिसाइड प्रतिरोध जांच परीक्षण विकसित किया। उन्होंने कनकी के लिए वर्ष 2018-19 में 118 किसानों और वर्ष 2019-20 में हिसार जिले के 100 किसानों को प्रभावी खरपतवारनाशक के उपयोग की सलाह दी। उन्होंने विभिन्न फसलों में प्रभावी खरपतवार प्रबंधन पर 36 से अधिक सिफारिशें विकसित की हैं। उन्होंने 21 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन/सह-आयोजन किया और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अनुसंधान के लिए 65 मिलियन भारतीय रुपये की अनुदान राशि लेने में अहम् भूमिका अदा की है। उन्होंने ब्रिटिश कॉमनवेल्थ फेलोशिप के तहत पीएचसी और स्ट्रैथक्लाइड विश्वविद्यालय, ग्लासगो, स्कॉटलैंड के बायोटेक्नोलॉजी विभाग से फालारिस माइनर(कनकी) में हर्बिसाइड प्रतिरोधक तंत्र और उसके प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया, जो हरियाणा और अन्य आस-पास के राज्यों में गेहूं की भयानक खरपतवार है। उन्हें गेहूं वर्गीय पौधों में खरतपतवार के जैव विज्ञान और प्रबंधन पर फ्लोरिडा विश्वविद्यालय (यूएसए) से पोस्ट-डॉक फैलोशिप से सम्मानित किया गया था। भारत और विदेशों में खरपतवार विज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें अमेरिका की वीड साईंस सोसायटी का साथी (मानद सदस्य) बनाया गया। अमेरिकन सोसायटी द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक के लिए यह सर्वोच्च पुरस्कार है जिसे प्राप्त करने वाले डॉ. समुंदर सिंह पहले भारतीय हैं। इंडियन सोसायटी ऑफ वीड साईंस ने पहले उन्हें 2007 में अपने फेलो पुरस्कार और 2012 में गोल्ड मेडल अवार्ड से सम्मानित किया था। उन्हें 2019 में पश्चिम बंगाल की फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी और 2020 में हरियाणा एग्रोनोमिस्ट सोसायटी द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. सिंह ने 19 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक के रूप में काम किया और अमेरिका के खरपतवार विज्ञान सोसायटी के अध्यक्ष द्वारा तीन बार सर्वश्रेष्ठ समीक्षक के रूप में उनकी सराहना की गई। डॉ. समुंदर सिंह अपने छात्र समय के दौरान एक बेहतरीन एथलीट भी रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय, राज्य और देश के लिए कई पदक जीते और 1998 में ग्लासगो हाफ मैराथन में भी दौड़ लगाई थी। डॉ. समुंदर सिंह ने 1994 में अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी में शामिल हुए और उन्हें 2010 में न्यूजलैटर एडिटर का कार्यभार सौंपा गया। वह सोसायटी के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा समाचार संपादक हैं। समाचार पत्र संपादक के रूप में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें 2012 में सोसायटी (हांगो, चीन) और 2016 में सचिव और न्यूजलेटर संपादक (प्राग, चेक गणराज्य) कांग्रेस द्वारा सम्मानित किया गया था। उन्हें 2012 में सोसायटी में सचिव भी चुना गया था और 2016 में इसका उपाध्यक्ष चुना गया था। उस समय भी वे पहले भारतीय थे। डॉ. समंदर सिंह ने 79 सम्मेलनों में वैज्ञानिक शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं। इसके अलावा उन्हें 133 रेफरी शोध पत्र, 7 रेफरी समीक्षा पत्र, 19 सम्मेलन कार्यवाही पत्र, 115 सम्मेलन सार, 11 पुस्तक अध्याय, 3 पुस्तिका, 20 बुलेटिन, 52 एक्सटेंशन लेख और 56 रेडियो/ टीवी वार्ता प्रकाशित करने का श्रेय दिया जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	07.08.2020	--	--

आईडब्लयूएसएस के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय बने एचएयू से सेवानिवृत्त डॉ. समुंदर सिंह

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने दी बधाई

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग से सेवानिवृत्त डॉ. समुंदर सिंह को अंतरराष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी(आईडब्लयूएसएस) का अध्यक्ष बनाया गया है। डॉ. समुंदर सिंह इस सोसायटी के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय हैं। इस सोसायटी को 1975 में अमेरिका में स्थापित किया गया था और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से 750 से अधिक सदस्य हैं। यह न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि इस प्रतिष्ठित पद पाने वाले डॉ. समुंदर सिंह पहले खरपतवार वैज्ञानिक हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

पोस्ट डॉक फैलोशिप से किया गया था सम्मानित

उन्होंने ब्रिटिश कॉमनवेल्थ फेलोशिप के तहत पीएचसी और स्ट्रैथक्लाइड विश्वविद्यालय, ग्लासगो, स्कॉटलैंड के बायोटेक्नोलॉजी विभाग से फालारिस माइनर(कनकी) में हर्बिसाइड प्रतिरोधक तंत्र और उसके प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया, जो हरियाणा और अन्य आस-पास के राज्यों में गेहूं की भयानक खरपतवार है। उन्हें नीबूं वर्गीय पौधों में खरतपतवार के जीव विज्ञान और प्रबंधन पर फ्लोरिडा विश्वविद्यालय (यूएसए) से पोस्ट-डॉक फैलोशिप से सम्मानित किया गया था।

2015 में अमेरिका में बने मानद सदस्य

भारत और विदेशों में खरपतवार विज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें अमेरिका की वीड साइंस सोसायटी का साथी (मानद सदस्य) बनाया गया। अमेरिकन सोसायटी द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक के लिए यह सर्वोच्च पुरस्कार है जिसे प्राप्त करने वाले डॉ. समुंदर सिंह पहले भारतीय हैं। इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस ने पहले उन्हें 2007 में अपने फेलो पुरस्कार और 2012 में गोल्ड मेडल अवार्ड से सम्मानित किया था। उन्हें 2019 में पश्चिम बंगाल की फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी और 2020 में हरियाणा एग्रोनोमिस्ट सोसायटी द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. सिंह ने 19 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक के रूप में काम किया और अमेरिका के खरपतवार विज्ञान सोसाइटी के अध्यक्ष द्वारा तीन बार सर्वश्रेष्ट समीक्षक के रूप में उनकी सराहना की गई। डॉ. समुंदर सिंह अपने छात्र समय के दौरान एक बेहतरीन एथलीट भी रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय, राज्य और देश के लिए कई पदक जीते और 1998 में ग्लासगो हाफ मैराथन में भी दौड़ लगाई थी।

गेहूं में खरपतवार की प्रतिरोध क्षमता की पहचान करने वाले पहले वैज्ञानिक

डॉ. सिंह गेहूं के कई खरपतवारों जैसे कनकी, जंगली जई, जंगली पालक, लोमार घास और बाथू में खरपतवार नाशक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता का पता लगाने वाले पहले वैज्ञानिक थे। उन्होंने सबसे पहले बीज और रोपाई का उपयोग करके कनकी और जंगली जई का रैपिड हर्बिसाइड प्रतिरोध जांच परीक्षण विकसित किया। उन्होंने कनकी के लिए वर्ष 2018-19 में 118 किसानों और वर्ष 2019-20 में हिसार जिले के 100 किसानों को प्रभावी खरपतवारनाशक के उपयोग की सलाह दी। उन्होंने विभिन्न फसलों में प्रभावी खरपतवार प्रबंधन पर 36 से अधिक सिफारिशें विकसित की हैं।

डॉ. समुंदर सिंह की यह रही उपलब्धियां

डॉ. समुंदर सिंह ने 1994 में अंतरराष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी में शामिल हुए और उन्हें 2010 में न्यूजलैटर एडिटर का कार्यभार सौंपा गया। वह सोसायटी के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा समाचार संपादक हैं। समाचार पत्र संपादक के रूप में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें 2012 में सोसायटी (हांग्जो, चीन) और 2016 में सचिव और न्यूजलेटर संपादक (प्राग, चेक गणराज्य) कांग्रेस द्वारा सम्मानित किया गया था। उन्हें 2012 में सोसायटी में सचिव भी चुना गया था और 2016 में इसका उपाध्यक्ष चुना गया था। उस समय भी ये पहले भारतीय थे। डॉ. समंदर सिंह ने 79 सम्मेलनों में वैज्ञानिक शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं।

पूरे देश के लिए गौरव की बात : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उनकी इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्हें गर्व है कि डॉ. समुंदर सिंह ने विश्वविद्यालय में रहते हुए और उसके बाद भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि डॉ. समंदर सिंह को दिसंबर 2021 में बैंकॉक (थाईलैंड) में होने वाली 8वीं अंतरराष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान कांग्रेस का कार्य सौंपा गया है। उन्होंने इस आयोजन में भाग लेने वाले वैज्ञानिकों के लिए 25,000 अमरीकी डॉलर की यात्रा सहायता निधि अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी व स्थानीय आयोजकों की मदद से एकत्रित की है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	08.08.2020	--	--

नरमा कपास में सफेद मक्खी व हरा तेला के प्रति सचेत रहें किसान : प्रो. समर सिंह

हकृवि के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सफेद मक्खी व हरा तेला के प्रति किया आगाह

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। इस साल नरमा कपास की अच्छी पैदावार होने की उम्मीद है क्योंकि अभी तक

फसल अच्छी खड़ी है। इसलिए किसान कपास की अच्छी पैदावार लेने के लिए हर संभव प्रयास करने में जुटे हैं। कई बार किसान कीटनाशक विक्रेता से सलाह लेकर कीट की सही पहचान किए बगैर ही कपास पर कीटनाशक का जरूरत से ज्यादा छिड़काव कर रहे हैं, जो गलत है।

उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को कीटनाशकों के कपास पर अंधाधुंध प्रयोग न करने की सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में बारिश कम हुई है, उन क्षेत्रों में नरमा कपास में सफेद मक्खी की समस्या अधिक है जबकि अधिक वर्षा वाले इलाकों में इसकी समस्या कम है। इसके अलावा नरमा कपास पर हरे तेला का भी प्रकोप बढ़ रहा है।

खेत की निगरानी करते रहें किसान

कुलपति ने किसानों से कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेकर ही उक्त कीटों के प्रबन्धन के लिए कीटनाशकों का छिड़काव करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि किसान बिना सिफारिश ही कीटनाशकों का फसल पर छिड़काव कर देते हैं जिससे उनको आर्थिक नुकसान तो होता ही है, साथ ही पर्यावरण प्रदुषण भी बढ़ता है। उन्होंने कहा कि किसान अपने खेत की निगरानी करते रहें ताकि जैसे ही कीटों का प्रकोप बढ़े तो कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेकर कीटनाशकों का छिड़काव किया जा सके। कुलपति ने बताया कि कोरोना के कारण विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक किसानों से फोन पर संपर्क में हैं।

इन कीटनाशकों का करें छिड़काव

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार के अनुसार इस समय नरमा कपास पर सफेद मक्खी और हरा तेला का खतरा बढ़ा हुआ है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि अगर नरमा कपास में 6 से 8 प्रौढ़ प्रति पत्ता व हरा तेला 2 प्रति पत्ता हों तो यह नुकसानदायक है। इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सफेद मक्खी का प्रकोप इसके निर्धारित आर्थिक स्तर से अधिक हो तो 300 मिलीलीटर रोगोर एवं 1 लीटर नीम्बीसीडीन/अचूक को 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	07.08.2020	--	--

BIG NEWS

मानसून में अब तक हुई सामान्य से कम बरसात

9 से 11 अगस्त तक हो सकती है बारिश, हकृवि के मौसम विभाग ने जारी किया पूर्वानुमान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा कि मानसूनी हवायों का टर्फ जो अब गंगानगर, हिसार, बदायूं, गौंडा, आजमगढ़, गया, जमशेदपुर, डिगा होते हुए बंगाल की खाड़ी तक गुजर रहा है। इसके निचले और दक्षिण की तरफ शिफ्ट होने की संभावना तथा बंगाल की खाड़ी में बनने वाले एक निम्न दबाब के क्षेत्र से मानसूनी हवायों की सक्रियता मध्य एवम दक्षिण पश्चिमी भारत में ज्यादा रहने की संभावना है। इसी कारण हरियाणा प्रदेश की तरफ आने वाली कमजोर मानसूनी हवाओं से 8 अगस्त तक राज्य में मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने, बीच बीच मे बादलवाई आने तथा तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने की संभावना है। इस दौरान वातावरण में नमी अधिक होने तथा तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने से कहीं-कहीं गरज-चमक वाले बादल बनने से कुछ एक स्थानों पर हवायों के साथ हल्की बारिश भी संभावित है। हकृवि के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी में एक और कम दबाब का क्षेत्र बनने की संभावना से 8 अगस्त से मानसून हवायों की फिर से मैदानी क्षेत्रों की ओर सक्रियता बढने की संभावना है जिससे 9 अगस्त से 11 अगस्त के बीच प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में अच्छी बारिश होने की संभावना है।

अब तक हुई सामान्य से कम बारिश

वैज्ञानिकों के अनुसार दक्षिण पश्चिमी मानसूनी हवाये 29 जुलाई से 4 अगस्त प्रदेश में थोड़ी सक्रिय रहने से कुछ एक क्षेत्रों में बारिश दर्ज हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग में दर्ज बारिश के आंकड़ों पर नजर डालें तो राज्य में अब तक (1 जून से 4 अगस्त) सामान्य से 4 प्रतिशत् कम बारिश हुई है। इस दौरान राज्य में सामान्य बारिश 230.8 मिलीमीटर की जगह 221.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई है। परन्तु मानसून की इस सप्ताह हुई बारिश का वितरण एक समान न होने के कारण कुछ जिलों में अच्छी बारिश हुई परन्तु पश्चिमी हरियाणा के सिरसा, फतेहाबाद, हिसार , भिवानी जिलों व इस के आसपास के ज्यादातर क्षेत्रों में बारिश नहीं हुई। मानसून की अब तक हुई (1 जून से 4 अगस्त) कुल बारिश के आंकड़ों के आधार पर राज्य के 11 जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है जिनमें अम्बाला में 48 प्रतिशत्, भिवानी 26 प्रतिशत्, गुरूग्राम 23 प्रतिशत्, महेंद्रगढ़ 42 प्रतिशत्, मेवात 33 प्रतिशत्, पलवल 42 प्रतिशत्, पंचकूला 68 प्रतिशत्, पानीपत 23 प्रतिशत्, रेवाड़ी 41 प्रतिशत्, रोहतक 55 प्रतिशत्, यमुनानगर 25 प्रतिशत् कम बारिश दर्ज हुई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	07.08.2020	--	--

आईडब्लयूएसएस के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय बने डॉ. समुंदर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग से सेवानिवृत्त डॉ. समुंदर सिंह को अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी (आईडब्लयू एसएस) का अध्यक्ष बनाया गया है। डॉ. समुंदर सिंह इस सोसायटी के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय हैं। इस सोसायटी को 1975 में अमेरिका में स्थापित किया गया था और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से 750 से अधिक सदस्य हैं। यह न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि इस प्रतिष्ठित पद पाने वाले डॉ. समुंदर सिंह पहले खरपतवार वैज्ञानिक हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

गेहूं में खरपतवार की प्रतिरोध क्षमता की पहचान करने वाले पहले वैज्ञानिक

वे गेहूं के कई खरपतवारों जैसे कनकी, जंगली जई, जंगली पालक, लोमार घास और बाथू में खरपतवार नाशक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता का पता लगाने वाले पहले वैज्ञानिक थे। उन्होंने सबसे पहले बीज और रोपाई का उपयोग करके कनकी और जंगली जई का रैपिड हर्बिसाइड प्रतिरोध जांच परीक्षण विकसित किया। उन्होंने कनकी के लिए वर्ष 2018-19 में 118 किसानों और वर्ष 2019-20 में हिसार जिले के 100 किसानों को प्रभावी खरपतवारनाशक के उपयोग की सलाह दी। उन्होंने विभिन्न फसलों में प्रभावी खरपतवार प्रबंधन पर 36 से अधिक सिफारिशें विकसित की हैं। उन्होंने 21 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन/सह-आयोजन किया और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अनुसंधान के लिए 65 मिलियन भारतीय रुपये की अनुदान राशि लेने में अहम् भूमिका अदा की है।

पोस्ट डॉक फैलोशिप से किया गया था सम्मानित

उन्होंने ब्रिटिश कॉमनवेल्थ फेलोशिप के तहत पीएचसी और स्ट्रैथक्लाइड विश्वविद्यालय, ग्लासगो, स्कॉटलैंड के बायोटेक्नोलॉजी विभाग से फालारिस माइनर (कनकी) में हर्बिसाइड प्रतिरोधक तंत्र और उसके प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया, जो हरियाणा और अन्य आस-पास के राज्यों में गेहूं की भयानक खरपतवार है। उन्हें नीबूं वर्गीय पौधों में खरतपतवार के जीव विज्ञान और प्रबंधन पर फ्लोरिडा विश्वविद्यालय (यूएसए) से पोस्ट-डॉक फैलोशिप से सम्मानित किया गया था।

2015 में अमेरिका में बने मानद सदस्य

भारत और विदेशों में खरपतवार विज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें अमेरिका की वीड साइंस सोसायटी का साथी (मानद सदस्य) बनाया गया। अमेरिकन सोसायटी द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक के लिए यह सर्वोच्च पुरस्कार है जिसे प्राप्त करने वाले डॉ. समुंदर सिंह पहले भारतीय हैं। इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस ने पहले उन्हें 2007 में अपने फेलो पुरस्कार और 2012 में गोल्ड मेडल अवार्ड से सम्मानित किया था। उन्हें 2019 में पश्चिम बंगाल की फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी और 2020 में हरियाणा एग्रोनोमिस्ट सोसायटी द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. सिंह ने 19 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक के रूप में काम किया और अमेरिका के खरपतवार विज्ञान सोसाइटी के अध्यक्ष द्वारा तीन बार सर्वश्रेष्ट समीक्षक के रूप में उनकी सराहना की गई। डॉ. समुंदर सिंह अपने छात्र समय के दौरान एक बेहतरीन एथलीट भी रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय, राज्य और देश के लिए कई पदक जीते और 1998 में ग्लासगो हाफ मैराथन में भी दौड़ लगाई थी।

ये रही उपलब्धियां

डॉ. समुंदर सिंह ने 1994 में अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी में शामिल हुए और उन्हें 2010 में न्यूजलैटर एडिटर का कार्यभार सौंपा गया। वह सोसायटी के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा समाचार संपादक हैं। समाचार पत्र संपादक के रूप में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें 2012 में सोसायटी (हांग्जो, चीन) और 2016 में सचिव और न्यूजलेटर संपादक (प्राग, चेक गणराज्य) कांग्रेस द्वारा सम्मानित किया गया था। उन्हें 2012 में सोसायटी में सचिव भी चुना गया था और 2016 में इसका उपाध्यक्ष चुना गया था। उस समय भी ये पहले भारतीय थे। डॉ. समंदर सिंह ने 79 सम्मेलनों में वैज्ञानिक शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं। इसके अलावा उन्हें 133 रेफरी शोध पत्र, 7 रेफरी समीक्षा पत्र, 19 सम्मेलन कार्यवाही पत्र, 115 सम्मेलन सार, 11 पुस्तक अध्याय, 3 पुस्तिका, 20 बुलेटिन, 52 एक्सटेंशन लेख और 56 रेडियो/ टीवी वार्ता प्रकाशित करने का श्रेय दिया जाता है।

देश के लिए गौरव की बात : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने उनकी इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्हें गर्व है कि डॉ. समुंदर सिंह ने विश्वविद्यालय में रहते हुए और उसके बाद भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि डॉ. समंदर सिंह को दिसंबर 2021 में बैंकॉक (थाईलैंड) में होने वाली 8वीं अंतरराष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान कांग्रेस का कार्य सौंपा गया है। उन्होंने इस आयोजन में भाग लेने वाले वैज्ञानिकों के लिए 25,000 अमरीकी डॉलर की यात्रा सहायता निधि अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी व स्थानीय आयोजकों की मदद से एकत्रित की है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	07.08.2020	--	--

एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर मे नए इनक्यूबिटीज के लिए दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम सम्पन्न

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय में किसानों से संबंधित चलने वाले विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों का ब्यौरा देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में देश का नाबार्ड द्वारा द्वितीय एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित किया गया है। इस संदर्भ में समय-समय पर किसानों के लिए कृषि को सफल व्यवसाय में बदलने के दो कार्यक्रम पहल व सफल - 2020 प्रोग्राम शुरू किए है जिसमें दो महीने का प्रशिक्षण तथा चयनित प्रतिभागियों और प्रशिक्षण के पश्चात 5 लाख से 25 लाख तक की ग्रांट का प्रस्ताव किसान एवं कल्याण मंत्रालय को भेजा जायेगा। उपरोक्त कार्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 14 अगस्त है। जिसका ब्यौरा विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

इसी कड़ी में 6 व 7 अगस्त को चयनित इनक्यूबिटीज के लिए आयोजित दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का समापन हुआ। आज कार्यक्रम के दूसरे दिन एबिक की एडमिन मैनेजर निशा मलिक फोगाट ने कार्यक्रम की शुरुआत नए इनक्यूबेटिज

का परिचय देकर की। इसके बाद बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु ने एबीक सेंटर में चल रही स्कीम आरकेवीवाई रफ्तार के बारे में जानकारी दी। टेक्निकल मैनेजर अर्पित तनेजा ने डिजिटल मार्केटिंग के पहलुओं को उजागर किया। इनके पश्चात कस्टमर केयर मैनेजर टिवंकल मंगल ने प्रोडक्ट्स की ब्राडिंग और क्वालिटी के बारे में बात की। प्रोडक्ट क्वालिटी एक बहुत महत्वपूर्ण प्रोसेस है प्रोडक्शन का, अगर प्रोडक्ट की क्वालिटी अच्छी होगी तभी कस्टमर ज्यादा से ज्यादा खरीदेंगे। इसके पश्चात असिस्टेंट मैनेजर डॉक्टर शैलेंद्र सिंह ने बिजनेस प्लान के महत्वपूर्ण विषयों को उजागर किया की प्लानिंग बिजनेस का एक महत्वपूर्ण अंग है बिना इसके कोई भी कार्य अच्छे से संपूर्ण नहीं हो सकता। एबीक सेंटर की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने शुभकामनाओं के साथ अपने स्टार्टअप को आगे बढ़ाने के लिए जोर दीया ताकि सोसाइटी इसे ज्यादा से ज्यादा फायदा उठा सके। अगर किसी भी स्टार्टअप को कोई भी समस्या आती है तो वह एबिक के मैनेजर से डिस्कस करके उसका हल निकाल सकते हैं। डॉ. सीमा रानी ने एबिक में चल रही स्कीम आर.के.वी.वाई. रफ्तार के प्रोग्राम सफल और पहल का जिक्र किया। प्रोग्राम की क्लोजिंग में फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने एबीक टीम और सभी श्रोताओं का धन्यवाद करते हुए किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत न्यूज	08.08.2020	--	--

नरमा-कपास में सफेद मक्खी व हरा तेला से सचेत रहें किसान : प्रो. समर सिंह

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने किसानों को किया आगाह

हिसार, 8 अगस्त (राज पराशर) : इस साल नरमा कपास की अच्छी पैदावार होने की उम्मीद है क्योंकि अभी तक फसल अच्छी खड़ी है। कई बार किसान कीटनाशक विक्रेता से सलाह लेकर कीट की सही पहचान किए बगैर ही कपास पर कीटनाशक का जरूरत से ज्यादा छिड़काव कर रहे हैं, जो गलत है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने किसानों को कीटनाशकों के कपास पर अंधाधुंध प्रयोग न करने की सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में बारिश कम हुई है, उन क्षेत्रों में नरमा कपास में सफेद मक्खी की समस्या अधिक है। इसके अलावा नरमा कपास पर हरे तेला का भी प्रकोप बढ़ रहा है। कुलपति ने किसानों से कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेकर ही उक्त कीटों के प्रबन्धन के लिए कीटनाशकों का छिड़काव करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के चलते कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के साथ खेतों का दौरा संभव नहीं हो पा रहा है, जिसकी वजह से वे किसानों से फोन पर ही संपर्क साध रहे हैं।

विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग के कृषि वैज्ञानिक डा. अनिल कुमार के अनुसार किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सफेद मक्खी का प्रकोप इसके निर्धारित आर्थिक स्तर से अधिक हो तो 300 मिलीलीटर रोगोर एवं 1 लीटर नीम्बीसीडीन/अचूक को 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। कृषि वैज्ञानिकों अनुसार अगर नरमा कपास के पत्तों पर सफेद मक्खी के शिशु ज्यादा हों तो 240 मिलीलीटर ओबेरोन या 400 मिलीलीटर डाएटा (पाइरीपरोक्सीफेन) का 200 लीटर पानी के साथ प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। उन्होंने बताया कि हरा तेला के लिए 40 मिलीलीटर ईमीडाक्लोपरिड (कोन्फीडोर) या 40 ग्राम थायामीथोक्साम (एकटारा) प्रति 150-175 लीटर पानी के साथ प्रति एकड़ में छिड़काव करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	09.08.2020	--	--

नरमा कपास में सफेद मक्खी व हरा तेला के प्रति सचेत रहें किसान : प्रो. समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 अगस्त : इस साल नरमा कपास की अच्छी पैदावार होने की उम्मीद है क्योंकि अभी तक फसल अच्छी खड़ी है। इसलिए किसान कपास की अच्छी पैदावार लेने के लिए हर संभव प्रयास करने में जुटे हैं। कई बार किसान कीटनाशक विक्रेता से सलाह लेकर कीट की सही पहचान किए बगैर ही कपास पर कीटनाशक का जरूरत से ज्यादा छिड़काव कर रहे हैं, जो गलत है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को कीटनाशकों के कपास पर अंधाधुंध प्रयोग न करने की सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में बारिश कम हुई है, उन क्षेत्रों में नरमा कपास में सफेद मक्खी की समस्या अधिक है जबकि अधिक वर्षा वाले इलाकों में इसकी समस्या कम है। इसके अलावा नरमा कपास पर हरे तेला का भी प्रकोप बढ़ रहा है। कुलपति ने किसानों से कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेकर ही उक्त कीटों के प्रबन्धन के लिए कीटनाशकों का छिड़काव करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा

कि किसान बिना सिफारिश ही कीटनाशकों का फसल पर छिड़काव कर देते हैं जिससे उनको आर्थिक नुकसान तो होता ही है, साथ ही पर्यावरण प्रदूषण भी बढ़ता है। उन्होंने कहा कि किसान अपने खेत की निगरानी करते रहें ताकि जैसे ही कीटों का प्रकोप बढ़े तो कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेकर कीटनाशकों का छिड़काव किया जा सके। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि कोरोना के कारण विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक किसानों से फोन पर संपर्क में हैं और समय-समय पर उनकी फसलों को लेकर सलाह देते रहते हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के चलते कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के साथ खेतों का दौरा संभव नहीं हो पा रहा है, जिसकी वजह से वे किसानों से फोन पर ही संपर्क साध रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार के अनुसार इस समय नरमा कपास पर सफेद मक्खी और हरा तेला का खतरा बढ़ा हुआ है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि अगर नरमा कपास में 6 से 8 प्रौढ़ प्रति पत्ता व हरा तेला 2 प्रति पत्ता हों तो यह नुकसानदायक है। इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सफेद मक्खी का प्रकोप इसके निर्धारित आर्थिक स्तर से अधिक हो तो 300 मिलीलीटर रोगोर एवं 1 लीटर नीम्बीसीडीन/अचूक को 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। कृषि वैज्ञानिकों अनुसार अगर नरमा कपास के पत्तों पर सफेद मक्खी के शिशु ज्यादा हों तो 240 मिलीलीटर ओबेरोन या 400 मिलीलीटर डाएटा (पाइरीपरोक्सीफेन) का 200 लीटर पानी के साथ प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। उन्होंने बताया कि हरा तेला के लिए 40 मिलीलीटर ईमीडाक्लोपरिड (कोन्फीडोर) या 40 ग्राम थायामीथोक्साम (एकटारा) प्रति 150-175 लीटर पानी के साथ प्रति एकड़ में छिड़काव करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	08.08.2020	--	--

हिसार-आसपास

नरमा कपास में सफेद मक्खी व हरा तेला के प्रति सचेत रहें किसान

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सफेद मक्खी व हरा तेला के प्रति किया आगाह

टुडे न्यूज | हिसार

इस साल नरमा कपास की अच्छी पैदावार होने की उम्मीद है क्योंकि अभी तक फसल अच्छी खड़ी है। इसलिए किसान कपास की अच्छी पैदावार लेने के लिए हर संभव प्रयास करने में जुटे हैं। कई बार किसान कीटनाशक विक्रेता से सलाह लेकर कीट की सही पहचान किए बगैर ही कपास पर कीटनाशक का जरूरत से ज्यादा छिडक़ाव कर रहे हैं, जो गलत है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को कीटनाशकों के कपास पर अंधाधुंध प्रयोग न करने की सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में बारिश कम हुई है, उन क्षेत्रों में नरमा कपास में सफेद मक्खी की समस्या अधिक है जबकि अधिक वर्षा वाले इलाकों में इसकी समस्या कम है। इसके अलावा नरमा कपास पर हरे तेला का भी प्रकोप बढ़ रहा है। कुलपति महोदय ने किसानों से कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेकर ही उक्त कीटों के प्रबन्धन के लिए कीटनाशकों का छिडक़ाव करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि किसान बिना सिफारिश ही कीटनाशकों का फसल पर छिडक़ाव कर देते हैं जिससे उनको आर्थिक नुकसान तो होता ही है, साथ ही पर्यावरण प्रदुषण भी बढ़ता है। उन्होंने कहा कि किसान अपने खेत की निगरानी करते रहें ताकि जैसे ही कीटों का प्रकोप बढ़े तो कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेकर कीटनाशकों का छिडक़ाव किया जा सके। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि कोरोना के कारण विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक किसानों से फोन पर संपर्क में हैं और समय-समय पर उनकी फसलों को लेकर सलाह देते रहते हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के चलते कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के साथ खेतों का दौरा संभव नहीं हो पा रहा है, जिसकी वजह से वे किसानों से फोन पर ही संपर्क साध रहे हैं।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

इन कीटनाशकों का करें छिडक़ाव

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार के अनुसार इस समय नरमा कपास पर सफेद मक्खी और हरा तेला का खतरा बढ़ा हुआ है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि अगर नरमा कपास में 6 से 8 प्रौढ़ प्रति पत्ता व हरा तेला 2 प्रति पत्ता हों तो यह नुकसानदायक है। इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सफेद मक्खी का प्रकोप इसके निर्धारित आर्थिक स्तर से अधिक हो तो 300 मिलीलीटर रोगोर एवं 1 लीटर नीम्बीसीडीन/अचूक को 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ के हिसाब से छिडक़ाव करें। कृषि वैज्ञानिकों अनुसार अगर नरमा कपास के पत्तों पर सफेद मक्खी के शिशु ज्यादा हों तो 240 मिलीलीटर ओबेरोन या 400 मिलीलीटर डाएटा (पाइरीपरोक्सीफेन) का 200 लीटर पानी के साथ प्रति एकड़ की दर से छिडक़ाव करें। उन्होंने बताया कि हरा तेला के लिए 40 मिलीलीटर ईमीडाक्लोपरिड (कोन्फीडोर) या 40 ग्राम थायामीथोक्साम (एकटारा) प्रति 150-175 लीटर पानी के साथ प्रति एकड़ में छिडक़ाव करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	09.08.2020	--	--

हिसार-आसपास

एबिक सेंटर के स्टार्टअप्स के लिए एक करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत : कुलपति

विश्वविद्यालय के माध्यम से कृषि मंत्रालय को भेजा गया था प्रस्ताव

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

टूडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 1 करोड़ 2 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिहं ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय में नाबार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार की सहायता से गत वर्ष स्थापित किया गया है। यह केंद्र उत्तर भारत को पहला केंद्र है जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि व संबंधित क्षेत्र में नए-नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। यह इनक्यूबेशन सेंटर अब तक 40 से अधिक कृषि स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर रहा है। उन्होंने बताया कि एबिक सेंटर के 11 स्टार्टअप्स के लिए एक करोड़ 2 लाख की राशि स्वीकृत की गई है जो जल्द ही इन्हें नियम व शर्तों अनुसार स्टार्टअप्स को आवंटित की जाएगी। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि वर्ष 2019 में आर.के.वी.वाई.-रफ्तार स्कीम के तहत जिन स्टार्टअप्स ने 2 महीने का निःशुल्क प्रशिक्षण लिया था, उन 11 स्टार्टअप्स की अंतिम प्रस्तुति कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की गठित कमेटी के समक्ष हुई थी, उन सभी को अनुदान राशि प्रदान करने के लिए चुन लिया गया है। यह एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के लिए बहुत ही गर्व की बात है।

इस वर्ष भी मांगे गए हैं आवेदन

एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी व प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डॉ. आर.के. झोरड़ ने बताया कि हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के प्रोग्रेसिव किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि के क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरू करने वाले युवाओं के लिए आर.के.वी.वाई. रफ्तार स्कीम के तहत पहल-2020 व सफल-2020 नामक कार्यक्रमों के माध्यम से आवेदन मांगे हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 14 अगस्त है। इस संबंध में अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hau.ac.in व www.rkvy.abichauhisar.com पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि कृषि व कृषि संबंधित एग्री बिजनेस स्टार्टअप्स के लिए पहल-2020 प्रोग्राम उन आवेदकों के लिए है जिनका स्टार्टअप्स अभी आइडिया स्टेज पर है। इस कार्यक्रम के तहत 5 लाख तक की राशि चयनित आवेदक को नियमानुसार अनुदान के रूप में दी जाती है। इसी प्रकार सफल-2020 कार्यक्रम के तहत जिन आवेदकों ने अपना प्रोडक्ट बना रखा है और उसे बड़े स्तर पर ब्रांड के रूप में पहचान दिलाना चाहते हैं तो उनके लिए 25 लाख रूपये तक की सहायता राशि निर्धारित नियमानुसार प्रदान की जाती है। खास बात यह है कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार से चयनित होने के उपरांत यह राशि वापस नहीं करनी पड़ती बल्कि इससे अपना व्यवसाय स्थापित करना होता है।

इनको मिलेगी अनुदान राशि

सहायक प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि एबिक सेंटर के तहत 11 स्टार्टअप्स को पूरे भारतवर्ष से 40 से अधिक मेंटर्स द्वारा 2 महीने का प्रशिक्षण दिया गया था जिसके परिणामस्वरूप वे अपने व्यवसाय को धरातल पर लाकर एक ब्रांड के रूप स्थापित कर पाए। उन्होंने बताया जिनको अनुदान राशि मिलनी है उनमें अनुज हुड्डा की वैलनेस एग्री इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को 12 लाख रूपये, ओमपाल सिंह की नाईटो एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड को 25 लाख रूपये, प्रिंस कुमार की धर्मवीर फूड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड को 25 लाख रूपये, अंकित कुमार की ओराप्लेनेट फूड प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख रूपये, जयकरण राणा की ओमे एग्रीकल्चर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, डिंपल कथूरिया की मिलसर एग्रो फूड प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख रूपये, नरेश शर्मा की गौपेथी स्वदेशी उद्योग को 5 लाख, विपिन सरीन की मैफिक फूड्स प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख रूपये, विशाल भंडारी की नारायणा ग्लोबल एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख रूपये, विवेक कुमार की रविक इंटरप्राइसिस प्राइवेट लिमिटेड 5 लाख रूपये व सात्विक कुमार की हेक्सहॉम प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख रूपये की राशि शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	**07.08.2020**	--	--

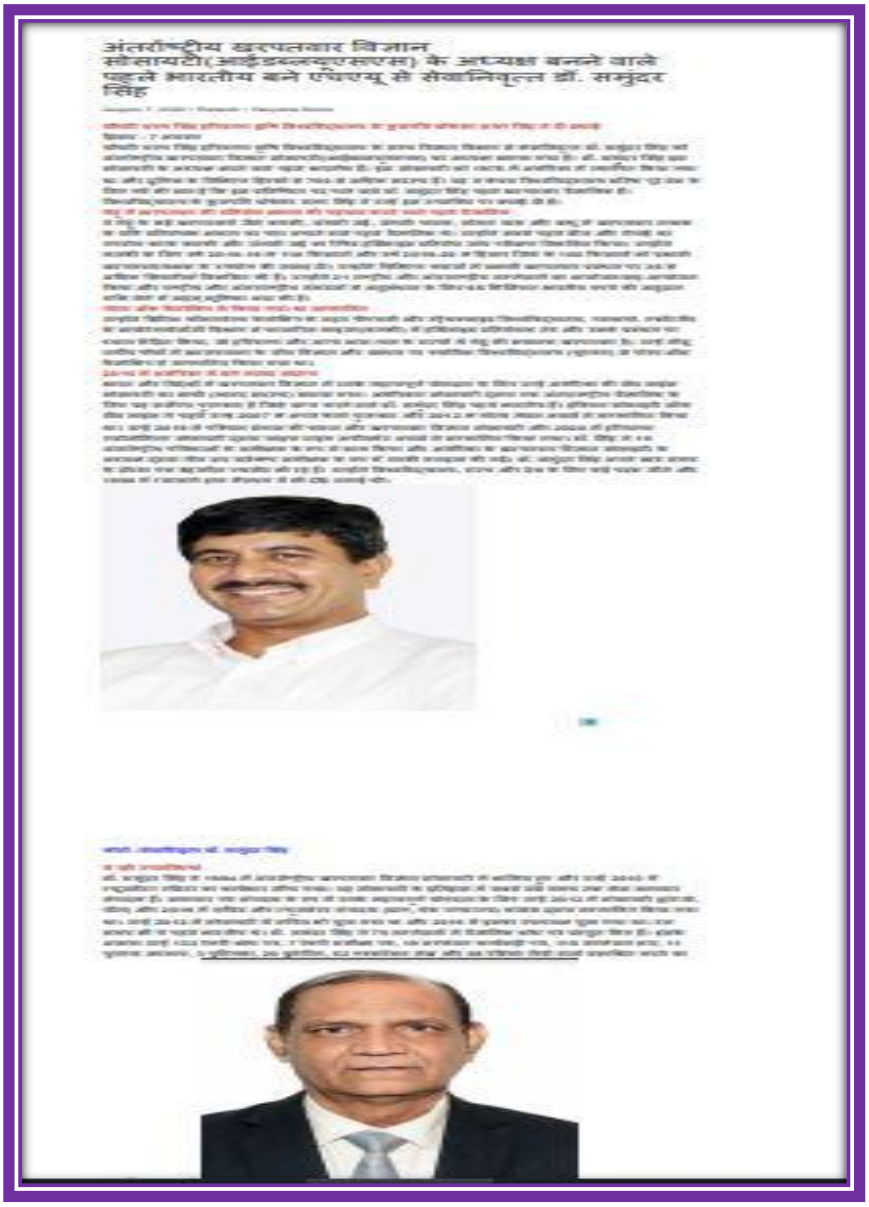

अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी(आईडब्लूएसएस) के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय बने एचएयू से सेवानिवृत्त डॉ. समुंदर सिंह

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जीवन आधार)	07.08.2020	--	--

डा. समुन्द्र सिंह बने अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी (आईडब्ल्यूएसएस) के अध्यक्ष

अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय बने एचएयू के वैज्ञानिक डॉ. समुंदर सिंह